दिसंबर 2025

₹ 20

समाजवादी बुलेटिन

अखिलेश का ऐलान

सबको स्थान सबको सम्मान

R.N.I. No. 68832/97

लोकतांत्रिक व्यवस्था को लगातार मिल रही चुनौतियों से सभी को मिलकर निपटना होगा। हमें आंतरिक स्वतंत्रता की रक्षा-सुरक्षा के लिए निरंतर सजग, सचेत, सतर्क, सक्रिय व संकल्पबद्ध रहना होगा। देश में सर्वाधिक उत्पीड़न व अन्याय पिछड़ों व दलितों के साथ हुआ है। आबादी के हिसाब से सबको अधिकार व सम्मान मिलना चाहिए। यही सामाजिक न्याय की अवधारणा है। सामाजिक सौहार्द की दिशा में परस्पर मिलकर काम करने की महती आवश्यकता है।

मुलायम सिंह यादव

संस्थापक, समाजवादी पार्टी

समाजवादी बुलेटिन

दिसंबर 2025

वर्ष 27 | संख्या 02

PDA काव्य विचार

सांप्रदायिकता से लड़ते हैं
PDA को न्याय दिलाते हैं,
जुल्म के खिलाफ लड़ते हैं
वोट बचाने के लिए जूझते हैं,
अखिलेश जी का संदेश पहुंचाते हैं,
ये ही PDA प्रहरी कहलाते हैं।

राधेश्याम गौतम
बढ़नी, सिद्धार्थनगर

प्रिय पाठकों,

PDA काव्य विचार के लिए आपकी स्वरचित लघु कविता का स्वागत है। केवल उन्हीं लघु कविताओं पर विचार किया जाएगा जो PDA केन्द्रित, सुस्पष्ट, मौलिक, न्यूनतम 4 से 6 लाइनों में टाइपशुदा होंगी। अपनी लघु कविता ईमेल teamsbeditorial@gmail.com पर अपने नाम और पते के साथ भेजें।

प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक

प्रोफेसर रामगोपाल यादव

☎ 0522 - 2235454

samajwadibulletin19@gmail.com

bulletinsamajwadi@gmail.com

Mob:- 9598909095

/samajwadiparty

समाजवादी पार्टी के लिए

19, विक्रमादित्य मार्ग, लखनऊ से प्रकाशित

अवध पब्लिशिंग हाउस, 8 पान दरीबा, लखनऊ से मुद्रित

R.N.I. No. 68832/97

अंदर

श्रद्धेय नेताजी : संघर्ष की मिसाल 14

18 कवर स्टोरी

अखिलेश का ऐलान सबको स्थान सबको सम्मान

एआई का अच्छा इस्तेमाल सुनिश्चित करना होगा

04

हैदराबाद में 13 दिसंबर को आयोजित विजन इंडिया एआई समिट में मुख्य वक्ता समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने विस्तारपूर्वक विजन इंडिया पर प्रकाश डाला और इसकी जरूरतें बताईं। हैदराबाद विजन इंडिया एआई समिट के इस कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्र के विशेषज्ञों समेत सर्वश्री आलोक रंजन पूर्व मुख्य सचिव उप्र, राजीव राय सांसद एवं अभिषेक मिश्र यूपी के पूर्व मंत्री भी शामिल रहे।

PDA के लिए संविधान ही आखिरी उम्मीद-अखिलेश 40

SIR से जनता और BLO हलकान, अखिलेश ने की मदद 36

विजन इंडिया: एआई समिट, हैदराबाद

एआई का अच्छा इस्तेमाल सुनिश्चित करना होगा

बुलेटिन ब्यूरो

है दराबाद में 13 दिसंबर को आयोजित विजन इंडिया एआई समिट में मुख्य वक्ता समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने विस्तारपूर्वक विजन इंडिया पर प्रकाश डाला और इसकी जरूरतें बताईं। हैदराबाद विजन इंडिया एआई समिट के इस कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्र के विशेषज्ञों समेत सर्वश्री आलोक रंजन पूर्व मुख्य सचिव उप्र, राजीव राय सांसद एवं अभिषेक मिश्र यूपी के पूर्व मंत्री भी शामिल रहे।

श्री अखिलेश यादव ने इस अवसर पर आए विभिन्न क्षेत्रों के एक्सपर्ट का स्वागत करते हुए कहा कि यहां से जो भी सुझाव आएंगे उन्हें हम भविष्य में अपने कार्यक्रमों में शामिल करेंगे और उसके अनुसार कार्य करेंगे।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भारत को विकसित देश बनाना है तो डेमोग्राफिक डिविडेंड में आने वाली चुनौतियों पर विचार करना पड़ेगा। स्टार्टअप का इको सिस्टम तैयार करना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि देश में सबसे बड़ी चुनौती गरीबी है। नौजवानों को नौकरी और रोजगार कैसे मिले इसके लिए कार्यक्रम और नीतियां बनानी पड़ेंगी। भारत में अभी भी गांव की आबादी 70 फीसदी है। गांव के लोग आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से कैसे जुड़ें, तकनीक का लाभ उन तक कैसे पहुंचे, यह बड़ी चुनौती है।

श्री यादव ने कहा कि देश का संविधान सभी को बराबरी का हक देता है। इस दिशा में सरकारों को काम करना पड़ेगा। आज डाटा सेंटर की बात होती है। इस पर विचार करने की जरूरत है कि डाटा सेंटर कैसे बनें। डाटा सेंटर के लिए इस तरह की नीति बनाएं जिससे सबका साथ और सबका विकास एक साथ हो सके।

उन्होंने कहा कि समाज में शिक्षा को लेकर बहुत भेदभाव है। वह कैसे दूर हो, इस बात पर विचार करना पड़ेगा। स्वास्थ्य क्षेत्र, कृषि क्षेत्र और तेजी से बढ़ रहे शहरीकरण के क्षेत्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का प्रयोग किस तरह से हो, इस विषय पर भी काम होना चाहिए।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि डिजिटल डिवाइड को लेकर समाजवादी पार्टी ने बड़े पैमाने पर काम किया। समाजवादी पार्टी की सरकार के दौरान उत्तर प्रदेश में छात्र-छात्राओं को लाखों की संख्या में लैपटॉप बांटा गया था। हम उत्तर प्रदेश में एचसीएल को लेकर आए। उन्हें आधारभूत ढांचा दिया और पॉलिसी से जोड़ा।

विजन इंडिया एआई समिट के सुपर सेशन के सवाल जवाब के दौरान श्री अखिलेश यादव ने कहा कि अगर हम ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा को एआई जोड़ने में सफल हो गए तो बड़ा बदलाव आएगा। उन्होंने कहा कि हैदराबाद में सबसे पहले 108 एम्बूलेंस शुरू हुई थी। हमने प्रोफेसर वेंकट को साथ लेकर यूपी में 108 एम्बूलेंस योजना की शुरूआत की। यूपी बड़ा राज्य है। बड़ी आबादी का राज्य है। हमने यूपी में सबसे अच्छा 108 एम्बुलेंस का ढांचा तैयार किया।

उसके साथ-साथ पुलिस रिस्पांस सिस्टम डायल 100 तैयार कराया। प्रो वेंकट यूपी के

VISION INDIA
PLAN DEVELOP ASCENT

अधिकारियों को न्यूयॉर्क लेकर गये। न्यूयार्क पुलिस की कार्य प्रणाली को देखकर उसके अनुसार यूपी डायल 100 का ढांचा तैयार किया गया। डेटा और तकनीक के साथ पुलिस का इतना बड़ा रिस्पांस सिस्टम कहीं नहीं है।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भविष्य में एआई का ऐसा सिस्टम बनाना पड़ेगा जिससे उसका अच्छा इस्तेमाल हो। गलत इस्तेमाल न हो। यह बड़ी चुनौती है। एआई कृषि क्षेत्र किसानों और खाद्य सुरक्षा में बड़ा योगदान दे सकता है। ड्रोन टेक्नालॉजी सेटलाइट इमेज का सही से प्रयोग किया जाए तो किसान को बड़ा लाभ होगा। उसकी चुनौतियां कम होंगी।

उन्होंने कहा कि एआई के माध्यम से किसान को लाभ हो सकता है। डिसीजन सपोर्ट सिस्टम विकसित हो जाए तो फैसले लेने में फायदा होगा। आने वाले समय में खेती के कार्य में एआई बड़ी भूमिका निभा सकता है। ओले पड़ने, बाढ़, सूखा समेत अन्य आपदाओं की जानकारी अगर पहले से हो जाए तो किसानों को फायदा होगा।

इसी तरह से मंडी को अपग्रेड करना चाहिए। मंडी को डेटा से जोड़ना चाहिए कि कौन किसान क्या फसल ला रहा है। खरीदने वाला कौन है, इससे किसान को सपोर्ट मिल जाएगा और समय बच जाएगा।

उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में मरीजों को समय पर इलाज नहीं मिल रहा है। समय पर बीमारी की जानकारी नहीं मिल पाती है। संसाधन नहीं रहता है। ऐसे में एआई महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। टेली मेडिसिन के द्वारा मरीजों की मदद हो सकती है। पीएचसी में एआई टेली मेडिसिन की मदद से इलाज हो सकता है।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि यूपी का तेजी से शहरीकरण हो रहा है। शहरों का अच्छा होना जरूरी है तभी जीवन स्तर बेहतर होगा। यूपी में एक्सप्रेस-वे का सबसे अच्छा ढांचा दिया लेकिन अन्य जगहों पर टोल पर अभी भी लोगों का समय खराब हो रहा है। यातायात सिस्टम, बिजली के क्षेत्र में एआई का प्रयोग हो सकता है। स्मार्ट टोल बनाना चाहिए।

श्री यादव ने कहा कि शहरों में बड़ी चुनौतियां हैं। सालिड वेस्ट मैनेजमेंट, वेस्ट कलेक्शन में एआई का प्रयोग करने से सुधार होगा। इधर देखा जा रहा है इलेक्ट्रानिक कूड़ा बढ़ता जा रहा है। इस पर कोई नीति नहीं बनी है। इस वजह से डिस्पोजल बड़ी समस्या

Vision India drive: Samajwadi Party to hold second summit in Hyderabad

Story by HT Correspondent, LUCKNOW • 3d

SP president Akhilesh Yadav will be the chief guest at the event.

Under its nationwide youth outreach drive under its new 'Vision India' initiative ahead of the 2027 Uttar Pradesh assembly elections, the Samajwadi Party will hold its second summit in Hyderabad on December 13 (Saturday) where party chief Akhilesh Yadav will be the chief guest.

Menu **The Statesman**

Monday, 15 December, 2025

India

Instead of increasing voter turnout, the ECI is slashing 30 million votes in UP, alleges Akhilesh Yadav

He alleged that the BJP and the Election Commission of India (ECI) are conspiring to remove votes in areas where the BJP lost.

Statesman News Service | Hyderabad/Lucknow | December 12, 2025 7:07 pm

www.manatelangana.news

మన తెలంగాణ

రామేశ్వరం కేఫ్‌లో అఖిలేష్ యాదవ్, కేటిఆ

మన తెలంగాణ Sun, 14 December 2025 https://epaper.manatelangana.news/c/78739118

DN DYNAMITE NEWS

INTERNATIONAL NATION/ Eng

Codeine Syrup Racket Exposed | Lionel

Home > National > Akhilesh Yadav Sla

Akhilesh Yadav Slams BJP, Signals South Indi Alliance and Emphasiz AI in Vision India

Akhilesh Yadav attacks BJP over Mataram issue, signals alliance KCR-KTR in South India, highligh impact at Vision India event, and concerns over 3 crore missing vot UP, urging Election Comm transparency.

4PM News Network

हैदराबाद में अखिलेश यादव का जोर, किसान और मेडिकल सेक्टर के लिए AI अहम

हैदराबाद में विजन इंडिया कार्यक्रम में अखिलेश यादव ने AI को किसान और मेडिकल के लिए अहम बताया. उन्होंने सिस्टम सपोर्ट मजबूत करने और टेक्नॉलजी से ग्रोथ पर जोर दिया.

4PM News Desk · December 13, 2025

4पीएम न्यूज नेटवर्क: हैदराबाद में विजन इंडिया कार्यक्रम में

हैदराबाद में AI समिट क्यों कर रहे अखिलेश, क्या है इस कार्यक्रम का मकसद?

राजनीति | खबरगांव डेस्क • HYDERABAD 12 Dec 2025, (अपडेटेड 12 Dec 2025, 7:50 PM IST)

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव हैदराबाद में एआई समिट में हिस्सा लेंगे। उनका कहना है कि विजन इंडिया: एआई समिट कार्यक्रम देश को विजन के साथ आगे बढ़ाएगा। यह कार्यक्रम इनोवेशन, कोलैबोरेशन और प्रोग्रेस का प्रतीक है।

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव। (Photo Credit: PTI)

Akhilesh Yadav Denounces SIR a 'NRC in Disguise Vision for Inclusi Democracy

Akhilesh Yadav, leader of the Samajv Party, criticizes the Special Intensive Revision (SIR) of electoral rolls in Ut Pradesh, alleging it to be an NRC in disguise aimed at disenfranchising BJP voters. Attending an AI summit i Hyderabad, he calls for politics to prioritize vision over division.

Devdiscourse News Desk | Hyderabad | Update 12-2025 08:40 IST | Created: 13-12-2025 08:40

NTV | ఆంధ్రప్రదేశ్ | తెలంగాణ | సినిమా న్యూస్

Akhilesh Yadav: బీజేపీ కోసం ఈసీ..ఓటర్లను చేర్చే బదులు తొలగిస్తుంది!

Published Date :December 13, 2025 , 9:53 PM By **Penti Naidu**

THE NEW INDIAN EXPRESS

NATION | WORLD | STATES | OPINION

Akhilesh says SP continues to be part of INDIA bloc

The VISION INDIA initiative, which describes itself as a nationwide series of summits and conferences, aims to plan India's future by identifying sectoral challenges and opportunities.

Add as a preferred source on Google

News

SIR is 'NRC in disguise', says Akhilesh Yadav

Created On: 14 Dec 2025 11:15 AM IST

By The Hans India

Share :

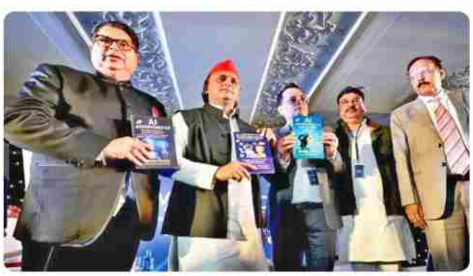

నమస్తే తెలంగాణ

కేఫ్‌లో అఖిలేశ్, కేటీఆర్ లంచ్

14/12/2025 | Hyderabad | Page : 14
Source : https://epaper.ntnews.com/

THE FEDERAL
VOICE OF THE STATES

Samajwadi Party MP Akhilesh Yadav speaks during the 'Vision India' summit, in Hyderabad, Saturday, Dec. 13, 2025. | PTI

India

Akhilesh Yadav vows to keep INDIA bloc united, backs SP–Congress alliance

The SP chief dismisses INDIA bloc rift claims, links electoral roll revision to 'backdoor NRC', and accuses BJP of targeting voters ahead of 2027 Assembly polls

ఏఐ సహకారంతో బీజేపీని ఓడిస్తాం

సాక్షి

ఇండియా కూటమి కొనసాగుతుంది

సమాజ్‌వాదీ పార్టీ అధినేత అఖిలేశ్ యాదవ్

- కూటమి పక్షాల అన్ని పార్టీలను కలుపుకొని వెళ్లే ప్రయత్నం చేస్తాం
- ఓట్ల తొలగింపుకు ఈసీ బాధ్యత కాదు
- ఏఐని దుర్వినియోగం చేయడం మంచిది కాదు

12:04
dishadaily.com

Epaper | టీజీ | ఏపీ | స్పోర్ట్స్ | సినిమా

గెలిచేందుకు బీజేపీ SIRను బ్యాక్ డోర్‌గా వాడుతోంది.. HYD వేదికగా అఖిలేశ్ యాదవ్

by Prasad Jukanti
13 Dec 2025 2:57 PM

దిశ, డైనమిక్ బ్యూరో: యూపీ ఎన్నికల్లో గెలవడానికి బీజేపీ ఎస్ఐఆర్‌ను NRC కు బ్యాక్ డోర్‌గా ఉపయోగిస్తోందని యూపీ మాజీ ముఖ్యమంత్రి, సమాజ్‌వాది పార్టీ అధ్యక్షుడు అఖిలేశ్ యాదవ్ (Akhilesh Yadav) విమర్శించారు. బీఎల్‌ఓలకు సాంకేతికత వినియోగంలో అవగాహన లేదని వారికి శిక్షణ కూడా లేదని విమర్శించారు. సమాజ్‌వాది పార్టీ అధినేత ఇవాళ హైదరాబాద్

సర్‌తో మళ్లీ యూపీలో గెలిచేందుకు బీజేపీ కుట్ర

యూపీలో బీజేపీ గెలిచేందుకే ఎస్ఐఆర్

- సోషల్ మీడియాను దుర్వినియోగం చేస్తున్న కమలం
- ఎస్పీ ఇండియా కూటమితో కొనసాగుతుంది : అఖిలేశ్ యాదవ్

దిశ, తెలంగాణ బ్యూరో :

దిశ Sun, 14 December 2025 https://epaper.dishadaily.com/c/787302

ఏఐ సహకారంతో బీజేపీని ఓడిస్తాం

है।

उन्होंने कहा कि शहरों में यातायात सुधारने के लिए पब्लिक ट्रांसपोर्ट सिस्टम बेहतर करना पड़ेगा। तकनीक का इस्तेमाल कर भीड़भाड़ वाले इलाकों को चिह्नित कर सकते हैं। शहरों के ओवर ऑल डेवलपमेंट में एआई बड़ा रोल प्ले कर सकता है। इधर यूपी में ऑनलाइन स्कैम और साइबर फ्राड तेजी से हो रहा है। एआई जनरेटेड वीडियो आ रहे हैं। लोग डीप फेंक, एआई जनरेटेड वीडियो को सच मान लेते हैं। एआई के दुरुपयोग से बचाना भी बड़ी चुनौती है। चुनाव के समय राजनैतिक दलों और नेताओं को लोग नुकसान पहुंचा सकते हैं।

श्री यादव ने कहा कि एआई का गलत प्रयोग नहीं होना चाहिए। इसका प्रयोग पॉजिटिव होना चाहिए। यह लोगों को जोड़ें। अभी एआई डेवलप किया गया है लेकिन रेगुलेट

एआई का गलत प्रयोग नहीं होना चाहिए। इसका प्रयोग पॉजिटिव होना चाहिए। यह लोगों को जोड़े

नहीं हुआ है। देश में अभी एआई की शुरुआत है। इसके रेगुलेशन के लिए पॉलिसी बनानी पड़ेगी।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि जब नई तकनीक आती है तो यह बहस चलती है कि नौकरियां कम हो जाएंगी। जब कंप्यूटर आया तो भी चर्चा चली थी कि नौकरियां कम हो जाएंगी लेकिन ऐसा नहीं हुआ। आज तकनीक के क्षेत्र में बड़ी संख्या में नौकरी, रोजगार आ रहा है। नई तकनीक से नौकरियां कम नहीं होंगी। एआई से पुलिसिंग में सुधार कर सकते हैं। अपराध की जांच में मदद हो सकती है। साइबर क्राइम को डिटेक्ट कर सकते हैं।

डिवीजन नहीं विजन की राजनीति होनी चाहिए

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव का स्पष्ट मानना है कि देश में डिवीजन नहीं विजन की राजनीति होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि हम लोग विजन की राजनीति करना चाहते हैं। भाजपा डिवीजन की राजनीति कर रही है। देश में जो बंटवारे की राजनीति हो रही है उसे रोकना है।

13 दिसंबर को हैदराबाद में विजन इंडिया एआई समिट के बाद प्रेस कांफ्रेंस में श्री अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी डेवलपमेंट और प्रोग्रेसिव पॉलिटिक्स करना चाहती है। दुनिया में तकनीकी में बहुत बदलाव आ रहा है। उस तकनीक का सबको लाभ मिलना चाहिए। किसी के साथ जाति-धर्म का भेदभाव न हो। हम लोग चाहते हैं कि कुछ वर्षों में एआई ऐसा बन जाए जिससे भेदभाव खत्म हो जाए।

श्री यादव ने कहा कि साइबर फ्राड में आज उत्तर प्रदेश नंबर वन है। ऑनलाइन स्कैम बढ़ता जा रहा है। उन्होंने कहा कि राजनीतिक प्लेटफार्म से एआई और डीप फेक वीडियो का गलत इस्तेमाल हो रहा है। एआई से जहां ट्रैफिक मैनेजमेंट स्वास्थ्य, शिक्षा क्षेत्र में सुविधा है, वहीं दुरूपयोग भी है। इसको लेकर सावधान रहना होगा।

श्री यादव ने कहा कि एआई को लेकर हम कहते हैं कि जिससे हो सबकी भलाई, वही है सच्चा एआई। उन्होंने कहा कि एआई समिट में काफी अच्छी चर्चा हुई। यूपी में जब समाजवादी पार्टी की सरकार बनेगी तो आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का बेहतर प्रयोग कर लोगों को लाभ पहुंचाने का काम करेंगे। एआई के प्रयोग को लेकर बहुत सारे सुझाव आए हैं। हम लोगों ने एक्सपर्ट से चर्चा की है। जो सुझाव आए हैं, उन पर विचार करेंगे और देखेंगे की एआई का कैसे बेहतर इस्तेमाल हो सकती है। कृषि, स्वास्थ्य, शिक्षा क्षेत्र में एआई का बहुत अच्छा प्रयोग हो सकता है।

हैदराबाद में अखिलेश का भव्य स्वागत

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी द्वारा 13 दिसंबर को आयोजित विजन इंडियाः एआई समिट में शामिल होने के लिए 12 दिसंबर को तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद पहुंचे समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव का गर्मजोशी के साथ भव्य स्वागत किया गया।

श्री अखिलेश यादव समाजवादी पार्टी के नेताओं के साथ रथ पर सवार होकर निकले तो सड़क के दोनों किनारों पर लोगों ने खड़े होकर फूलमालाओं से स्वागत किया और अखिलेश यादव जिन्दाबाद के नारे लगाए। श्री अखिलेश यादव के हैदराबाद पहुंचने पर तेलंगाना के मुख्यमंत्री श्री रेवन्त रेड्डी ने भी उनका स्वागत करते हुए आत्मीय भेंट की। भव्य स्वागत से अभिभूत श्री अखिलेश यादव ने सभी का अभिवादन किया। पत्रकारों से बातचीत करते हुए श्री यादव ने कहा कि आज भारत ऐसा देश बन गया है,

जहां लोगों को हर कदम पर मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है।

उन्होंने कहा कि समस्याओं का समाधान करने के लिए हमने एक रास्ता सोचा है विजन इंडिया जो एक सकारात्मक, यथार्थवादी, प्रगतिशील भविष्य की ओर ले जाएगा। श्री अखिलेश यादव ने कहा कि आज हर जगह और हर स्तर पर एआई (आर्टिफिसियल इंटेलीजेंस) का प्रभाव बढ़ रहा है। कृषि क्षेत्र, मेडिकल क्षेत्र और अन्य सेक्टर में एआई का प्रभाव बहुत तेजी से बढ़ रहा है।

हैदराबाद ने तकनीकी के क्षेत्र में बहुत विकास किया है। यहां बहुत काम हुआ है। समाजवादी पार्टी ने एआई को लेकर हैदराबाद में विजन इंडिया कार्यक्रम का आयोजन किया है। विजन इंडिया का मकसद है देश विजन के साथ चले, न्यू इंडिया की दिशा में बढ़े, उस पर चर्चा हो। पॉलिटिकल डिवीजन की नहीं, विजन की हो। पॉलिटिक्स प्रोग्रेसिव हो, नेगेटिव न हो।

श्रद्धेय नेताजी
संघर्ष की मिसाल

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के संस्थापक श्रद्धेय नेताजी श्री मुलायम सिंह यादव का जन्मदिवस 22 नवंबर को समाजवादी पार्टी प्रदेश मुख्यालय लखनऊ, देश के विभिन्न प्रांतों समेत उत्तर प्रदेश के सभी जिलों में मनाते हुए धरती पुत्र को याद करते हुए नमन किया गया।

इस अवसर पर अस्पतालों और गरीबों में फल वितरण के साथ ही भण्डारों का भी आयोजन किया गया। समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने नेताजी के जन्मदिन पर उनके बताए हुए रास्ते और समाजवादी विचारों पर चलने का संकल्प लिया।

नेताजी के जन्मदिन पर मुख्य कार्यक्रम समाजवादी पार्टी के प्रदेश मुख्यालय लखनऊ में हुआ जिसमें समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव समेत अन्य नेताओं ने श्रद्धेय नेताजी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर नमन किया।

नेताजी के जन्मदिन पर देश-प्रदेश से आए हजारों लोगों को संबोधित करते हुए श्री अखिलेश यादव ने कहा कि आज हम सभी लोग श्रद्धेय नेता जी को याद कर रहे हैं। नेताजी का पूरा जीवन संघर्षों से भरा रहा। समाजवादी पार्टी उन्हीं के बताए हुए रास्ते पर चल रही है। नेताजी ने किसानों, नौजवानों, गरीबों, पिछड़ों, दलितों, अल्पसंख्यकों समेत सभी वर्गों के हित में फैसले लेकर उनके जीवन में बदलाव लाने का काम किया।

श्री यादव ने कहा कि आज नए तरह की लड़ाई छिड़ी हुई है। नए तरीके से चुनाव लड़ा

जा रहा है। हम लोगों को सूझ-बूझ और समझदारी से काम करना है।

नेता जी ने संघर्ष का रास्ता दिखाया है। समाजवादी पार्टी संघर्ष के रास्ते पर चलते हुए संविधान, लोकतंत्र और लोकतांत्रिक मूल्यों को बचाने की लड़ाई लड़ती रहेगी।

समाजवादी पार्टी की सरकार के दौरान छात्रों, नौजवानों, किसानों समेत सभी वर्गों के लिए बड़े फैसले लिए गए थे। लाखों छात्रों को लैपटॉप दिया, स्कूल कालेज बनवाए, किसानों को सुविधाएं दीं, एक्सप्रेस-वे, आईटी सिटी, स्टेडियम और पार्क बनवाए, साइकिल ट्रैक, किसान बाजार, मंडियां बनाईं। ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत किया। समाजवादी पार्टी जब-जब सरकार में आई लोक कल्याण के तमाम कार्य किए और जनता को लाभ पहुंचाया।

भाजपा ने सत्ता में आने के बाद महंगाई बढ़ाने का काम किया, भ्रष्टाचार, बेरोजगारी चरम पर है। जमीनों पर अवैध कब्जे हो रहे हैं। अन्याय, अत्याचार चरम पर है। हर वर्ग परेशान है।

श्री यादव ने कहा कि भाजपा को 2027 के विधानसभा चुनाव में हराना है इसलिए कार्यकर्ता और नेता जनता के बीच रहकर उनके सु:ख दु:ख में शामिल रहें। भाजपा के झूठ के प्रचार को बेनकाब करें। भाजपा झूठ बोलने वाली और भूमाफिया पार्टी है।

इस मौके पर श्री अखिलेश यादव को श्रीमती कमला स्वरूपा प्रजापति ने धरतीपुत्र श्रद्धेय मुलायम सिंह यादव जी से संबंधित स्मारिका भेंट की। स्मारिका में नेता जी के विचारों और संस्मरणों को स्थान दिया गया है। कार्यक्रम के दौरान प्रयागराज के संदीप यादव के सहयोग से दूध भंडारा का आयोजन हुआ।

इस अवसर पर पार्टी के सर्वश्री किरणमय नन्दा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, सांसद अवधेश प्रसाद, सांसद सनातन पांडेय, पूर्व कैबिनेट मंत्री राजेन्द्र चौधरी, पूर्व सांसद कनकलता सिंह, प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल, पूर्व कैबिनेट मंत्री प्रो अभिषेक मिश्रा एवं यासर शाह, पूर्व एमएलसी डा मधु गुप्ता, राष्ट्रीय अध्यक्ष अल्पसंख्यक सभा मौलाना इकबाल कादरी, पूर्व विधायक राजेन्द्र यादव, पूर्व एमएलसी पूर्व मंत्री रामआसरे विश्वकर्मा, राष्ट्रीय अध्यक्ष अधिवक्ता सभा कृष्ण कन्हैया पाल, डा आशुतोष वर्मा, पायल सिंह प्रदेश अध्यक्ष किन्नर सभा, अवधेश सिंह, नावेद सिद्दीकी, काशीनाथ, प्रवक्ता दीपक रंजन एवं फखरूल हसन चांद, नवीन धवन बंटी, सोनू कनौजिया, ज्योत्सना सिंह, एस के राय समेत अन्य प्रमुख नेताओं और बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं ने श्रद्धेय नेताजी को पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया।

नेताजी की जयंती पर विशाल दंगल

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के संस्थापक श्रद्धेय नेताजी श्री मुलायम सिंह यादव की जयंती की पूर्व संध्या पर 21 नवंबर को लखनऊ के सरोजनीनगर में विशाल दंगल का आयोजन हुआ जिसमें समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए।

दंगल का आयोजन पूर्व विधायक श्याम किशोर यादव ने किया था। यह विशाल दंगल गुलाब खेड़ा, कुरौनी, सरोजनीनगर में हुआ। दंगल में कई पहलवानों ने कुश्ती के दांव पेंच से दर्शकों को रोमांचित किया।

श्री अखिलेश यादव ने पहलवानों का आभार प्रकट करते हुए कहा कि सरोजनीनगर क्षेत्र से नेताजी का बहुत पुराना और गहरा रिश्ता है। पूर्व विधायक श्री श्याम किशोर और उनके परिवार को दंगल के लिए बधाई देते हुए श्री यादव ने कहा कि हम लोग नेताजी को याद कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि दंगल हमारी विरासत का खेल है।

हम लोग बचपन से ही इससे जुड़े रहे। दंगल देखते-देखते बड़े हुए हैं। नेताजी खुद पहलवान थे। नेताजी ने अखाड़े से कुश्ती करते-करते राजनीति में भी आगे बढ़कर तमाम पहलवानों को धराशायी किया। उन्होंने कहा कि दंगल अच्छा और मजबूत शरीर के साथ तेज दिमाग का भी खेल है। दंगल में जब सही वक्त पर दांव लगता है तभी जीत होती है।

श्री अखिलेश यादव ने दंगल में उपस्थित लोगों का आह्वान किया कि आप लोगों को

दंगल के साथ-साथ राजनीति में भी रूचि रखनी है क्योंकि अभी राजनीति का असली दंगल बाकी है। उसमें हम लोगों को हर तरह से तैयार रहना होगा। मुकाबला अभी से शुरू हो गया।

भाजपा पुरानी वोटर लिस्ट से हार चुकी है इसलिए एसआईआर कराकर नई वोटर लिस्ट बना रही है। समाजवादी पार्टी ने प्रदेश में भी भाजपा को पीछे कर दिया। जब भाजपा को पता चल गया कि पुरानी वोटर लिस्ट से हार रही हैं तो एसआईआर करवा के दांव मारना चाहती है। समाजवादी पार्टी और नौजवान पूरी चुस्ती के साथ तैयार हैं।

श्री यादव ने कहा कि इस सरकार में महंगाई, भ्रष्टाचार, बेरोजगारी चरम पर है। सड़कें नहीं बन रही हैं। सड़कों के बहाने बजट निकाल रहे हैं। अपनी जेब भर रहे हैं। भाजपा सरकार सब सरकारी चीजों को बेच रही है। कुछ लोगों को लाभ पहुंचाने के लिए भाजपा योजना बनाती है। यह सरकार रोजगार और नौकरी के लिए योजनाएं नहीं बनाती है। भाजपा सरकार से सावधान रहना है। भाजपा गुमराह करती है।

श्री अखिलेश यादव के सरोजनी नगर जाते वक्त अमौसी एयरपोर्ट के पास सब्जी बेचने वाली प्रेमा साहू ने सब्जी की टोकरी भेंट की और बताया कि पुलिस उनका उत्पीड़न करती है। आए दिन सब्जी बेचने वालों को परेशान किया जाता है।

श्री अखिलेश यादव ने उन्हें 11 हजार रूपए भेंट किए। यूथ ब्रिगेड के सालिम काकोरी ने बताया कि अखिलेश जी को अपनी पीड़ा बताकर सब्जी विक्रेता बहुत खुश हुई। दूसरे सब्जी वाले भी यहां जुटे थे। उन्होंने अखिलेश यादव जी के प्रति बहुत कृतज्ञता तथा आभार व्यक्त किया।

अखिलेश का ऐलान

सबको स्थान सबको सम्मान

बुलेटिन ब्यूरो

दलित चेतना, दलितों को उनका सम्मान व अधिकार दिलाने के लिए लगातार शिद्दत से सक्रिय समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने गैर बराबरी के खिलाफ मुहिम को और तेज कर दिया है। बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर के नाम पर राजनीतिक रोटी सेंक रहे सियासी दलों ने जब दलितों के हितों का अपने निजी फायदे के लिए सौदा कर रखा तो श्री अखिलेश यादव ही दलितों की एकमात्र उम्मीद बनकर उभरे हैं और दलित समाज में भरोसा बढ़ा है कि उनके अधिकारों व सम्मान के लिए यदि कोई लड़ रहा है और उन्हें जागरुक करते हुए एकता के सूत्र में पिरोने में जुटा है तो वह श्री अखिलेश यादव ही हैं।

सामाजिक न्याय की लड़ाई को धार दे रहे श्री अखिलेश यादव ने 6 दिसंबर को डा भीमराव अंबेडकर के महा परिनिर्वाण दिवस पर साफतौर पर ऐलान कर दिया है कि सबको स्थान, सबको सम्मान मिलना ही चाहिए। सभी को खासतौर पर दलित समाज को सम्मान-अधिकार दिलाने की कोशिश में जुटे श्री अखिलेश यादव ने समाज में बराबरी की पहल फिर कर दी है।

श्री अखिलेश यादव साफ-साफ यह कहते हैं कि बाबा साहब का संविधान बचेगा तो न्याय बचेगा और न्याय बचेगा तभी सबको बराबर मान, सम्मान, सबको बराबर मौके मिलेंगे, भेदभाव भी मिटेगा और भेद का भाव भी।

फाइल फोटो

के लिए एक और करो या मरो आंदोलन की ज़रूरत है। इसीलिए उन्होंने नया नारा दिया है 'सबको स्थान, सबको सम्मान'।

जाहिर है, यह सिर्फ एक नारा नहीं बल्कि पार्टी कार्यकर्ताओं, समाज के बाकी तबके के लिए एक संदेश भी है कि अब बाबा साहब की सोच के अनुरूप ही समाज के सभी तबके को सम्मान दिलाया जाएगा। इस एक नारे ने श्री अखिलेश यादव के व्यक्तित्व को और निखारा है। नतीजा यह है कि अब पिछड़ों, दलितों और अल्पसंख्यकों के अलावा दूसरे तबके के वे लोग भी श्री अखिलेश यादव के कायल हो चुके हैं जो गैर बराबरी के खात्मे के हिमायती हैं।

अलबत्ता सिर्फ अपना वर्चस्व कायम रखने वाली भाजपा विचलित है क्योंकि उसे लगता है कि जिस पीडीए ने लोकसभा चुनाव 2024 में उसे बुरी तरह शिकस्त दे दी थी, वह 2027 में उसकी सत्ता को उखाड़ फेंकेगी। सामाजिक न्याय का राज स्थापित होगा और समाजवादी सरकार में दलित समाज को सम्मान और अधिकार मिल जाएगा।

हाल के कुछ वर्षों के यूपी के राजनीतिक हालात इस बात के साक्षी हैं कि बाबा साहब के मिशन को आगे बढ़ाने का दावा करने वाले दल सांप्रदायिक भाजपा के साथ खड़े दिखते हैं। इधर यूपी में दलितों पर अत्याचार व अन्याय की घटनाएं बढ़ीं और ये दल मौन धारण किए रहे जबकि श्री अखिलेश यादव मुखर हुए। उन्होंने हर अन्याय के खिलाफ न सिर्फ लड़ाई लड़ी बल्कि पीड़ित दलित समाज को आर्थिक सहायता पहुंचाने में भी पीछे नहीं रहे।

श्री अखिलेश यादव के बीते कुछ साल के निर्णयों और ठोस कदम दलित समाज में भरोसे को और बढ़ाते हैं। अयोध्या जैसी प्रतिष्ठित लोकसभा सीट पर बुजुर्ग दलित नेता अवधेश प्रसाद को टिकट देकर और पूरी ताकत से जिताकर देश की संसद में पहुंचाकर श्री अखिलेश यादव ने अपनी नीयत और इरादे को स्पष्ट भी कर दिया है।

यह एक ऐसा कदम था कि जिसने वर्चस्ववादी और दलितों को दोयम दर्जे पर रखने की नीयत रखने वाली भाजपा तिलमिला गई। उसे रास नहीं आ रहा कि एक दलित नेता को अयोध्या जैसी सीट पर

फाइल फोटो

श्री अखिलेश यादव ने न सिर्फ लड़ाया बल्कि जिताया भी।

पीडीए की एकजुटता से घबराई भाजपा इस स्तर पर उतर आई है कि उसने सपा द्वारा बाबा साहब के श्रद्धांजलि कार्यक्रम के लिए आवंटित लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान का आवंटन रद्द कर अपनी सोच का परिचय दे दिया मगर वह भूल गई कि समाजवादी लोग हर जुल्म, अन्याय का डटकर मुकाबला करने वाले हैं।

इस अपमान से दलित समाज और समाजवादी पार्टी विचलित होने के बजाए और एकजुट हो चुकी है और 2027 में भाजपा को सत्ता से उखाड़कर इस अपमान का बदला लेगी।

दरअसल भाजपा कभी नहीं चाहती कि दलित समाज जागृत हो और अपने अधिकारों के लिए लड़ाई लड़े। पिछले साल इसकी बानगी तब साफतौर पर नजर आई जब देश के गृहमंत्री ने बाबा साहब के लिए संसद में अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल किया।

तब, समाजवादी पार्टी ने गांव-गांव, कस्बों व शहरों में जाकर भाजपा की सोच की कलई खोली थी और जागरुकता अभियान छेड़ दिया था। पूरे उत्तर प्रदेश में एक साथ खड़े हुए इस जनांदोलन से भाजपा में और घबराहट फैल गई थी और अंतत: उसने टिप्पणी से किनारा कस लिया था। सफाई दी थी।

उस वक्त भी दलित समाज को एहसास हो गया था कि बाबा साहब के मिशन के नाम पर उन्हें सिर्फ वोट बैंक समझा जाता है और उनके अधिकार-सम्मान पर जब आंच आती है तो यह दल खामोश हो जाता है और उनकी लड़ाई सिर्फ श्री अखिलेश यादव ही मजबूती से लड़ते हैं।

लोकसभा चुनाव 2024 में दलित समाज ने पीडीए की मुहिम को आगे बढ़ाते हुए श्री अखिलेश यादव का साथ दिया और यूपी में समाजवादी पार्टी को 37 सीटें जिता दीं। समाजवादी पार्टी के साथ होने पर दलित समाज ने कांग्रेस को भी 6 सीटें जिताकर अपनी एकता दिखाई और श्री अखिलेश यादव के पीडीए की मुहिम पर मुहर लगा दी।

समाजवादियों ने यूपी भर में बाबा साहब को श्रद्धांजलि दी

बुलेटिन ब्यूरो

संविधान निर्माता बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर के परिनिर्वाण दिवस पर 6 दिसंबर को समाजवादी पार्टी के राज्य मुख्यालय, लखनऊ सहित प्रदेश के सभी जनपदों में उनके चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई।

समाजवादी पार्टी के राज्य मुख्यालय लखनऊ में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव की ओर से पूर्व कैबिनेट मंत्री राजेन्द्र चौधरी ने बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर के चित्र पर माल्यार्पण कर नमन किया। हजरतगंज स्थित डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल ने माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी।

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने भारतरत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर को भारतीय संविधान का महान शिल्पकार और सामाजिक न्याय का अग्रदूत बताते हुए उनके महापरिनिर्वाण दिवस पर विनम्र श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि उनका संघर्ष एवं चिंतन भारत के लोकतांत्रिक मूल्यों की नीव है।

इस अवसर पर सर्वश्री अरविन्द कुमार सिंह पूर्व सांसद, गौरव रावत विधायक, रामआसरे विश्वकर्मा पूर्व मंत्री, आशा किशोर पूर्व विधायक, कृष्ण कन्हैया पाल राष्ट्रीय अध्यक्ष समाजवादी अधिवक्ता सभा, श्री रामकरन निर्मल प्रदेश अध्यक्ष समाजवादी लोहिया वाहिनी, सीएल वर्मा प्रदेश उपाध्यक्ष, आदि ने पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया।

लखनऊ जनपद के मलिहाबाद विधानसभा क्षेत्र के काकोरी ब्लाक में सपा नेत्री विजयश्री गौतम के नेतृत्व में ग्राम चौखडी खेड़ा में बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर के परिनिर्वाण दिवस पर श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई।

सपा पूरा करेगी बाबा साहब का मिशन

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर को उनके परिनिर्वाण दिवस पर याद करते हुए उनके मिशन को पूरा करने का संकल्प दोहराया है। उन्होंने कहा कि बाबा साहब ने देश को संविधान दिया है, उसी संविधान की वजह से हक और अधिकार मिल रहा है।

उन्होंने कहा कि संविधान की किताब पीडीए के लिए किस्मत की किताब है। यह किस्मत की किताब न होती तो हम लोगों को न जाने किन-किन परिस्थितियों का सामना करना पड़ता।

उन्होंने कहा कि सभी लोगों ने देखा है कि वर्चस्ववादी और ताकतवर लोगों ने कई बार पीडीए के लोगों का अपमान किया है। सुप्रीम कोर्ट में जूता तक फेंक दिया गया।

श्री यादव ने कहा कि संविधान हक, सम्मान के साथ-साथ चलने का मौका देता है। संविधान से आरक्षण मिला है। संविधान कमजोर होगा तो लोकतंत्र कमजोर होगा। आरक्षण खत्म हो जाएगा। एकतंत्रीय लोग लोकतंत्र को कमजोर करना चाहते हैं। वे संविधान नहीं मनविधान से चलाना चाहते हैं पर समाजवादी पार्टी ऐसा होने नहीं देगी। वह सभी को सम्मान और अधिकार दिलाने के लिए लड़ाई जारी रखेगी।

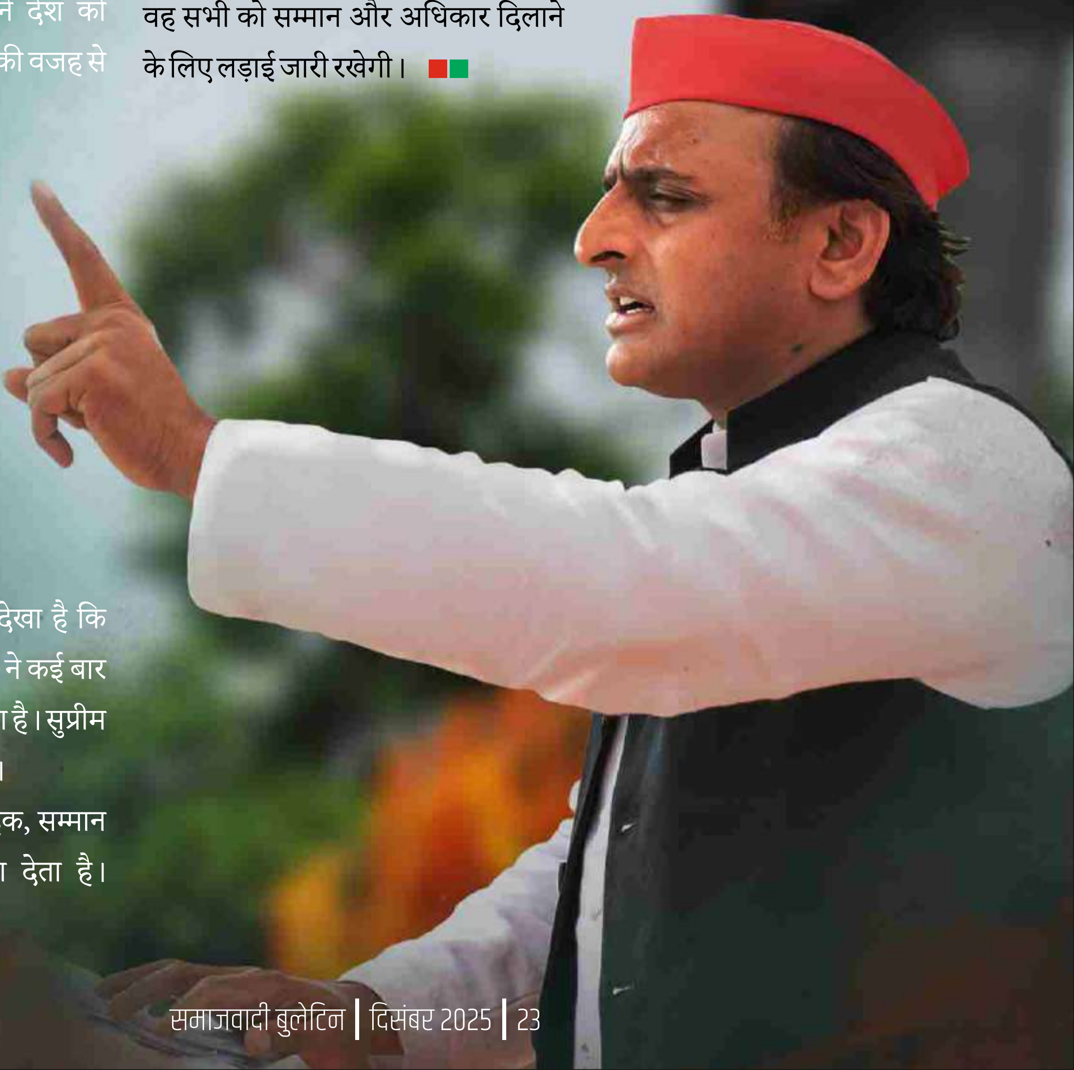

PDA से डरी सरकार
बाबा साहब पर कार्यक्रम को रोका

बुलेटिन ब्यूरो

PDA की एकता से भाजपा सरकार इतना डर और सहम गई है कि अब उसने महापुरुषों के सम्मान में होने वाले कार्यक्रम को भी रोकने की तरकीबें तलाश करनी शुरू कर दी है ताकि PDA समाज एकजुट होकर अपने अधिकारों-सम्मान के लिए कोई विमर्श भी न कर सके।

भाजपा ने इसी रणनीति पर अमल करते हुए बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर के परिनिर्वाण दिवस पर समाजवादी पार्टी द्वारा आयोजित होने वाले श्रद्धांजलि सभा के कार्यक्रम के लिए आवंटित इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान को ऐन वक्त पर बिना किसी कारण के रद्द कर दिया।

समाजवादी पार्टी ने भाजपा सरकार की इस दुर्भावनापूर्ण कार्यवाही की कड़ी निंदा की और विरोध जताया। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने इसे बाबा साहब व संपूर्ण PDA समाज का अपमान करार दिया है।

बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर के परिनिर्वाण दिवस पर 6 दिसंबर को समाजवादी बाबा साहब अंबेडकर वाहिनी ने इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में विशाल श्रद्धांजलि सभा करने का कार्यक्रम तय किया था। सभी औपचारिकताएं पूरी की गई थीं मगर भाजपा सरकार के दबाव में कार्यक्रम आवंटन अचानक निरस्त कर दिया गया।

कार्यक्रम के लिए आवंटन रद्द होने पर नाराजगी का इजहार करते हुए श्री अखिलेश यादव ने कहा कि उत्तर प्रदेश में भाजपा सरकार ने बाबा साहब अंबेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस पर समाजवादी पार्टी द्वारा आयोजित होने वाले कार्यक्रम को अनुमति न देकर बाबा साहब का जो अपमान किया है वो संपूर्ण पीडीए समाज का अपमान है।

उन्होंने कहा कि ये वर्चस्ववादी सोच का ही एक और उदाहरण है कि अहंकारी सत्ता पीडीए समाज से उनके महापुरुषों से सम्बन्धित आयोजन का हक भी छीन कर हमें नीचा दिखाना चाहती है। ये सदियों पीछे जाने वाले परंपरागत प्रभुत्ववादियों की भारी भूल है कि आज का जागा हुआ पीडीए

समाज इनके दमन से दब जाएगा।

कार्यक्रम आवंटन रद्द होने की सूचना मिलने के बाद 5 दिसंबर को सांसद आरके चौधरी, पूर्व कैबिनेट मंत्री राजेन्द्र चौधरी, प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल तथा समाजवादी बाबा साहब अंबेडकर वाहिनी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मिठाई लाल भारती ने समाजवादी पार्टी के राज्य मुख्यालय पर पत्रकारों को विस्तार से जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि 6 दिसंबर 2025 को डॉ. भीमराव अंबेडकर के परिनिर्वाण दिवस पर इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित श्रद्धांजलि सभा में बतौर मुख्य अतिथि समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव को हिस्सा लेना था। भाजपा सरकार के दबाव में पुलिस-प्रशासन द्वारा कार्यक्रम रद्द किये जाने की सूचना तानाशाही और अलोकतांत्रिक कृत्य है। यह दर्शाता है कि सरकार कितनी भयभीत है।

उन्होंने कहा कि श्रद्धांजलि सभा को रद्द करने से साबित हो गया कि भाजपा बाबा साहब से नफरत करती है। हम कोई धरना प्रदर्शन करने नहीं जा रहे थे। यह दलित समाज की उभरती राजनीतिक चेतना को रोकने का निंदनीय प्रयास है जो कि किसी सूरत में स्वीकार्य नहीं होगा। भाजपा संविधान और उसके निर्माता के प्रति अपमानजनक व्यवहार कर रही है। भाजपा संविधान और आरक्षण दोनों को समाप्त करना चाहती है।

उन्होंने कहा कि बाबा साहब को आरएसएस और भाजपा नहीं मानती है। जब बाबा साहब ने देश को संविधान का प्रारूप दिया था तब आरएसएस के सर संघचालक गोलवलकर ने समतामूलक समाज के निर्माण के प्रयासों की निंदा की थी। आरएसएस चाहती है कि समाज में ऊंच-नीच का भेदभाव बना रहे। ऐसा होगा नहीं।

दलित समाज अब जाग चुका है। समाज के लोग अब पढ़-लिखकर आगे बढ़ रहे हैं। वे सजग होकर काम करेंगे। हमारा नारा है 'बाबा साहब का मिशन अधूरा, अखिलेश यादव करेंगे पूरा। संविधान गरीबों, वंचितों, पिछड़ों का हथियार है। बाबा साहब ने हमें संविधान दिया। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव समता, सम्पन्नता, समानता, भाईचारा चाहते हैं जबकि भाजपा नफरत के बीज बोने का काम करती है। भाजपा के इस कृत्य से नाराज समाजवादी पार्टी कार्यकर्ताओं ने बाबा साहब अमर रहें और अखिलेश यादव जिंदाबाद के नारो के साथ मंच से श्वेत श्याम पोस्टर भी प्रदर्शित किए गए जिन पर लिखा था परमिशन रोको, कार्यक्रम रोको पर दलितों की जागृति कैसे रोकोगे, कुछ पोस्टरों में श्रद्धांजलि सभा स्थल की परमिशन रद्द किए जाने का विरोध भी था।

भाजपा के इस कृत्य के खिलाफ एकजुटता प्रदर्शित करने के अवसर पर सर्वश्री गौरव रावत विधायक, लोटन राम निषाद, मनोज पासवान, सत्य प्रकाश सोनकर, राकेश रंजन, महावीर सिंह जाटव, सत्येन्द्र कुमार पानू, सचिन वर्मा कोरी, डॉ. रघुवीर चौधरी, राम बाबू सुदर्शन भारती, इं.राममूर्ति चौरसिया, लालचन्द्र गौतम, संजय साहू, रमेश बागी, विजय पासवान आदि भी उपस्थित रहे।

सपा ने दिल्ली से लखनऊ तक सिरप कांड पर सरकार को घेरा

बुलेटिन ब्यूरो

जानलेवा कफ सिरप के जरिये मासूमों की जान के साथ खिलवाड़ करने वालों पर यूपी सरकार की चुप्पी के खिलाफ समाजवादी पार्टी ने संसद से लेकर यूपी विधानसभा तक भाजपा सरकार को घेरा। समाजवादी पार्टी के सांसदों ने संसद में इस मुद्दे को उठाया तो यूपी विधानसभा में इस मसले पर सरकार के खिलाफ नारेबाजी की और प्रदर्शन किया। कोडीन युक्त कफ सिरप के मसले पर सरकार की खामोशी चुगली कर रही है कि इस काले कारोबार में शामिल लोगों को सत्ताधारियों का संरक्षण हासिल है। इस काले कारोबार के जरिये अकूत संपत्ति अर्जित करने वालों के घरों पर अब तक बुलडोजर कार्यवाही न होना भी बताता है कि दाल में काला है और माफिया को सरकार का

संरक्षण हासिल है।

गौरतलब है कि मासूमों की जान से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ समाजवादी पार्टी ने मुहिम छेड़ रखी है ताकि अब कोई और मासूम इस कफ सिरप के पीने से मौत के मुंह में न जाने पाए। समाजवादी पार्टी ने संसद के शीतकालीन सत्र में इस कांड को लेकर जोरदार तरीके से आवाज बुलंद की है।

22 दिसंबर को यूपी विधानसभा में भी समाजवादी पार्टी विधायकों ने कफ सिरप व दूसरे जनहित के मुद्दों पर सरकार को घेरा। सदन के अंदर सरकार को घेरने से पहले विधानभवन स्थित चौधरी चरण सिंह की प्रतिमा पर समाजवादी पार्टी के विधायकों ने कोडीन सिरप, एसआईआर, खाद, धान खरीद, बेरोजगारी और मंहगाई जैसे मुद्दों को लेकर भाजपा सरकार के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया।

प्रदर्शनकारी विधायकों ने अपने हाथों में 'नशीली दवाओं के सरदारो से, योगी सरकार का याराना है', भैया कहां है बुलडोजर, 'अपराधी घूमे बेखौफ, अत्याचार फैला हर ओर', और काली कमाई पर करो बुलडोजर कार्रवाई' आदि नारे लिखे पोस्टर लहराए।

प्रदर्शन का नेतृत्व करते हुए विधानसभा में नेता विरोधी दल श्री माता प्रसाद पाण्डेय और विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष श्री लाल बिहारी यादव ने कहा कि दोषियों पर कार्रवाई और लोगों को न्याय दिलाने के लिए सड़क से सदन तक समाजवादी पार्टी संघर्ष करती रहेगी। भाजपा सरकार ने अपने झूठ और लूट से प्रदेश को बर्बाद करने का काम किया है। जनता जनविरोधी इस भाजपा सरकार को 2027 के विधानसभा चुनाव में सत्ता से हटाकर उसे करारा सबक सिखाने का काम करेगी।

विधानसभा की कार्यवाही के दौरान भी समाजवादी पार्टी विधायकों ने मुखरता व प्रखरता से इस मसले पर भाजपा सरकार को घेरा। समाजवादी पार्टी के सवालों से सरकार असहज व विचलित नजर आई।

हाल के दिनों में यूपी में इस कफ सिरप कांड का मामला सामने आया तो सरकार की तरफ से खामोशी की चादर ओढ़ ली गई। दूसरे राज्यों में इस कफ सिरप को पीने से मासूमों की मौत के बाद जब कार्यवाही शुरू हुई तो यूपी में इसकी काले कारोबार की जड़ें सत्ता से जुड़े कुछ लोगों तक पहुंचती दिखने लगीं। पूर्वांचल के एक सरकार परस्त माफिया का नाम आते ही अधिकारियों ने जांच की रफ्तार को न केवल रोक दिया बल्कि उन्हें

कफ सिरप माफिया पर बुलडोजर कब चलेगा-अखिलेश

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा माफिया जीवी पार्टी है। एनकाउण्टर माफिया, कफ सिरप माफिया, नीट माफिया, स्क्रैप माफिया, थाना वूसली माफिया पार्टी है। वह संविधान की धज्जियां उड़ा रही है। वह पूंजीवादी और सांप्रदायिक पार्टी है। कफ सिरप कांड के खुलासे के बाद श्री यादव ने सवाल पूछा है कि अब बुलडोजर कब चलेगा?

समाजवादी पार्टी के मुखिया श्री अखिलेश यादव ने कहा कि हर विभाग में माफिया हैं। जौनपुर का मामला सामने आया है और भी मामले खुलेंगे। यूपी में बहुत जनपद हैं।

लखनऊ में गिरफ्तार ड्रग तस्कर अमित टाटा जौनपुर के एक बाहुबली के साथ दिखता रहा है। उसकी गाड़ी का नम्बर भी वही है जो माफिया की गाड़ी का है। जहरीली सिरप की 100 करोड़ रूपये से ज्यादा की अवैध बिक्री प्रकाश में आई है। इस कांड का मास्टरमाइंड शुभम भी बाहुबली के साथ देखा गया है।

कितने मासूम बच्चों को अपने मुनाफे के लिए इन लोगों ने मार डाला। इस जहरीली सिरप का नशे में भी इस्तेमाल होता है। उन्होंने कहा कि ये जमाना सीबीआई का नहीं बुलडोजर का है। उन्होंने सवाल पूछा कि कफ सिरप कांड सामने आने के बाद अब बुलडोजर कब चलेगा?

संरक्षण देना शुरू कर दिया।

अब यह साफ होने लगा है कि कोडीन इस प्रतिबंधित नशीले सिरप ने तमाम मासूमों की जान ले ली। सरकार के खासमखास लोग, कई अधिकारियों का नाम सामने आने पर भाजपा के अंदर अपनी टोपी उसके सर होने लगा।

चर्चा आम है कि प्रदेश में पूर्वांचल के एक माफिया का काला कारोबार खूब चल रहा है। वहां एक जाति विशेष का माफिया कालाधंधा कर रहा है। उन्होंने कई करोड़ रूपयों की काली कमाई की है। कमाई के आगे माफियाओं में कोई मानवीय संवेदना नहीं बची है। जीरो टॉलरेंस और बुलडोजर का कहीं अता पता नहीं है। प्रतिबंधित सिरप का धंधा पूर्वांचल में वाराणसी, जौनपुर, चंदौली, भदोही, गाजीपुर, आजमगढ़ में बड़ो की शह पर फलफूल रहा था।

कोडीन सिरप कांड में अभी तक की पड़ताल में जो बातें छनकर आ रही हैं वह यह है कि कोडीन धंधे का सरगना शुभम माफिया के रिश्तेदारों के साथ साझेदारी में था और उसने 84 करोड़ रूपये लगाए हैं। उन्हें महंगी गाड़ियां गिफ्ट की हैं। शुभम के धंधे में उसे प्रोटेक्शन देने के नाम पर सत्ताधारी उससे महंगे गिफ्ट और लाखों महीना लेते थे।

संसद में जनहित के मुद्दों पर सपा सांसद मुखर

बुलेटिन ब्यूरो

बात जनता की तकलीफों की हो, समस्याओं से जनता परेशान हो तो समाजवादी पार्टी आवाज बुलंद करने में पीछे नहीं रहती है। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव का स्पष्ट निर्देश है कि जनहित के मुद्दों को सदन से सड़क तक आवाज देनी है।

श्री अखिलेश यादव की जनहित के मुद्दों पर स्पष्ट नीति का अनुसरण करते हुए समाजवादी पार्टी के सांसदों ने संसद के शीतकालीन सत्र में जनहित के मुद्दों पर सदन का ध्यान आकर्षित कराया।

लोकसभा व राज्यसभा में समाजवादी पार्टी ने जोरदार तरीके से मुद्दों को उठाते हुए जनता की समस्याओं के निपटारे की मांग की।

उत्तर प्रदेश से समाजवादी पार्टी के सांसदों ने प्रदेश की बिगड़ती कानून-व्यवस्था, किसानों को हो रही खाद-बीज की समस्या, महंगाई, बेरोजगारी के मुद्दों के अलावा अपने-अपने क्षेत्रों की समस्याओं को भी मुखर होकर सदन में रखा।

घोसी के सांसद राजीव राय ने सड़क, पुल, बाढ़ की समस्या उठाई। उन्होंने बताया कि पुल न होने से किस तरह बाढ़ में लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

एटा सांसद देवेंद्र शाक्य ने क्षेत्र में सड़क निर्माण पर अपनी बात रखी और बताया कि जनता किस तरह परेशान हो रही है। उन्होंने शिक्षकों की समस्याओं को भी आवाज दी।

राबर्टसगंज के सांसद छोटेलाल खरवार ने बताया कि वन विभाग वन अधिकार का पट्टा नहीं दे रहा है। उन्होंने सदन को बताया कि यह वन अधिकार कानून का उल्लंघन है कि आदिवासियों को पट्टा न दिया जाए। उन्होंने बताया कि आदिवासियों को मारकर भगाया जा रहा है। उन्होंने पंचायत चुनाव आरक्षण का मुद्दा भी उठाया।

लालगंज के सांसद दरा◌ेगा प्रसाद सरोज ने ओलावृष्टि से हुए किसानों को अनुदान राहत पैकेज की घोषणा न होने पर चिंता जाहिर करते हुए तत्काल राहत पैकेज की मांग की। उन्होंने बताया कि ओलावृष्टि से किस तरह किसान बर्बाद हो गए हैं और सरकार उनकी सुन नहीं रही है।

बलिया के सांसद सनातन पांडेय ने रेलवे स्टेशनों की बदहाल स्थिति पर चिंता जाहिर करते हुए यात्रियों को बेहतर सुविधा मुहैया कराने की जोरदार मांग की। उन्होंने किसानों को ओलावृष्टि से नुकसान से अवगत कराते हुए मुआवजे की मांग की।

फतेहपुर के सांसद नरेश चंद्र उत्तम पटेल ने महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण दिए जाने की वकालत करते हुए इसे तत्काल लागू करने की मांग की।

धौरहरा के सांसद आनंद भदौरिया ने वीरांगना ऊदा देवी के शौर्य ईव साहस की गाथा बताते हुए वीरांगना ऊदा देवी को भारत रत्न देने की पुरजोर मांग की। बदायूं के सांसद आदित्य यादव ने अपने संसदीय क्षेत्र में बाईपास की जरूरत बताई और सड़कों के निर्माण की मांग उठाई।

श्रावस्ती के सांसद राम शिरोमणी वर्मा ने शिक्षकों की समस्या से सदन को अवगत कराते हुए समाधान की मांग की।

मुरादाबाद की सांसद रूचि वीरा ने पश्चिमी उप्र में हाईकोर्ट की पीठ स्थापित करने की जोरदार मांग की ताकि वादकारियों को न्याय के लिए प्रयागराज तक न जाना पड़े और उन्हें पश्चिमी उप्र की हाईकोर्ट बेंच से ही न्याय मिल जाए।

मुजफ्फरनगर के सांसद हरेंद्र सिंह मलिक ने रेल यात्रियों की परेशानियों से अवगत कराते हुए ट्रेनों का स्टापेज बहाल करने की जोरदार मांग की। अंबेडकरनगर के सांसद लालजी वर्मा ने आरक्षण का मुद्दा उठाया। संतकबीरनगर के सांसद लक्ष्मीकांत पप्पू निषाद ने निषादों की बेरोजगारी की समस्या उठाते हुए उनके रोजगार की दिशा में ठोस पहले करने की वकालत की। इनके अलावा समाजवादी पार्टी के अंक सांसदों ने चुनाव सुधार, वंदेमातरम आदि मुद्दों पर चर्चा में भाग लिया और आम जन की दुश्वारियों पर सदन में मुखर होकर अपनी बात रखी।

ईवीएम हटाओ बैलेट लाओ

चुनाव सुधार पर चर्चा में अखिलेश की दो टूक

बुलेटिन ब्यूरो

लोकसभा में चुनाव सुधार पर चर्चा में हिस्सा लेते हुए कन्नौज के सांसद एवं समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने एक बार फिर बैलेट से चुनाव कराने पर जोर दिया। उन्होंने साफतौर पर कहा कि ईवीएम को हटाना चाहिए और बैलेट से ही चुनाव कराया जाना चाहिए।

संसद के शीतकालीन सत्र में लोकसभा में 9 दिसंबर को चर्चा में बोलते हुए श्री अखिलेश यादव ने कहा कि चुनाव सुधार तभी संभव है जब चुनाव निष्पक्ष होंगे। चुनाव सुधार के लिए चुनाव आयोग की नियुक्ति का तरीका बदला जाए। चुनाव आयोग की नियुक्ति निष्पक्ष और पारदर्शी हो। आयोग की नियुक्ति की जो व्यवस्था पहले थी भाजपा सरकार ने उसे बदल दिया। विपक्ष को लगना चाहिए कि नियुक्ति में उसकी भी भूमिका है। उन्होंने कहा कि ईवीएम से चुनाव पर बहुत सवाल उठ रहे हैं। भारत ही नहीं पूरी दुनिया में इलेक्ट्रानिक चीजों पर सवाल उठ रहे हैं। जो टेक्नालॉजी की बात कर रहे हैं वे भारत और जर्मनी, भारत और अमेरिका, भारत और जापान की तुलना कर लें, पता चल जाएगा कि हम कहां खड़े हैं।

कई सम्पन्न देश जो तकनीक में भारत से कई गुना आगे हैं, अगर वे ईवीएम को नहीं स्वीकार कर रहें हैं तो यहां ईवीएम से वोटिंग क्यों हो रही है? जर्मनी जैसे देश में ईवीएम से वोटिंग असंवैधानिक मानी जाती है। वहां बैलेट से वोट पड़ता है। हमारी मांग है कि बैलेट से मतदान हो।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि बात रिफार्म की हो रही है। आखिर ये बात क्यों आई? जब कोई चीज अपने मूल स्वरूप में होती है तो उसे फार्म कहा जाता है। जब वह मूल फार्म खो जाती है तो डिफार्म कहा जाता है। उसी चीज को मूल फार्म में लाने का प्रयास रिफार्म होता है।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि आज चुनाव

सुधार की जरूरत क्यों पड़ी? हमारी चुनावी प्रक्रिया को खराब किसने किया? यहां चुनावी प्रक्रिया बाहर के लोगों ने नहीं अंदर के लोगों ने खराब की है।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि चुनाव के दौरान खातों में पैसा देकर प्रभावित किया जा रहा है। बिहार में 10 हजार रूपया दिया गया। एक तरफ भाजपा पैसा देती है वहीं दूसरी तरफ अगर विपक्षी दल की सरकार कोई नीति लागू करती है तो भाजपा उस पर रोक लगवाती है।

उन्होंने कहा कि चुनाव में मीडिया की भूमिका तय होनी चाहिए। चुनाव के समय सभी राजनीतिक दलों का मीडिया में बराबर स्थान नहीं मिलेगा तो चुनाव निष्पक्ष नहीं होगा। सरकारी हो या निजी मीडिया सभी दलों को बराबर स्पेस मिलना चाहिए।

इधर देखा जा रहा है कि सोशल मीडिया में दूसरों की छवि खराब करने के लिए पैसा खर्च किया जा रहा है। भाजपा तो हजारों लोगों को लगाकर हजारों करोड़ रूपया नकारात्मक कैम्पेन के लिए खर्च करती है। भाजपा चुनाव में सोशल मीडिया पर निगेटिव प्रचार कराती है। इसी तरह से इलेक्ट्रोरल बांड का सबसे ज्यादा पैसा भाजपा को मिलता है। इलेक्ट्रोरल बांड का खेल सबको दिखाई दे रहा है। चुनाव आयोग इसमें सुधार लाए।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि एसआईआर को लेकर बीएलओ पर भारी दबाव है। उत्तर प्रदेश में 9 बीएलओ की जान चली गई है। उन पर काम का बोझ था। अधिकारी दबाव बना रहे हैं। चुनाव आयोग ने कहा कि बीएलओ को ट्रेनिंग दी गई है लेकिन एक भी ट्रेनिंग नहीं दी गई। जो बीएलओ लगाए गए हैं उनका पूरा परिवार फार्म भरवाने में लगा है। उत्तर प्रदेश में जिन 9 बीएलओ की मौत हुई है, समाजवादी पार्टी ने उनके परिवार को दो लाख रूपये से मदद की है। हमारी मांग है कि चुनाव आयोग एक-एक करोड़ रूपये से मदद करे और सरकारी नौकरी दे।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि चुनाव सुधार की प्रक्रिया चुनाव आयोग से शुरू होनी चाहिए। बंदूक तानकर वोटरों को रोकने पर, चुन-चुनकर अधिकारी पोस्ट करने पर, विपक्षी दलों के जीतने पर परिणाम बदलने पर, सत्ताधारियों द्वारा पैसा बांटने पर पकड़े जाने पर, चुन-चुन कर पीडीए के वोट कटवाने पर, नकली आधार से वोट डालने पर चुनाव के दौरान योजना बनाकर घूस देने पर, कार्रवाई होनी चाहिए।

श्री यादव ने कहा कि हम चाहते हैं कि वोटरलिस्ट एक हो और वोटर कार्ड में भी सुधार हो। उत्तर प्रदेश में एसआईआर में आधार कार्ड नहीं माना जा रहा है जबकि उसमें सब डाक्यूमेंट है। फिंगर है। रेटिना की इमेज है। सारी जानकारी है। फिर भी आधार नहीं माना जा रहा है। इसका मतलब यह एसआईआर नहीं है। यह अंदर ही अन्दर एनआरसी है। जो एनआरसी का

नियुक्ति प्रक्रिया में मुख्य न्यायाधीश को शामिल करना जरूरी

बुलेटिन ब्यूरो

मैनपुरी की सपा सांसद श्रीमती डिंपल यादव ने लोकसभा में चुनाव सुधारों पर हो रही चर्चा में 10 दिसंबर को बोलते हुए चुनाव आयोग में आयुक्तों के चयन प्रक्रिया में भारत के मुख्य न्यायाधीश को शामिल करने की जोरदार वकालत की। उन्होंने कहा कि निष्पक्षता के लिए मुख्य न्यायाधीश को शामिल किया जाना बेहद जरूरी है।

उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग संवैधानिक संस्था है लेकिन देखा जा रहा है कि वह सरकार के इशारे पर काम कर रहा है। चुनाव आयोग पूरी तरह से समर्पित होकर सरकार के लिए काम कर रहा है।

श्रीमती डिंपल यादव ने मांग की है कि चुनाव आयोग की नियुक्ति प्रक्रिया में भारत के मुख्य न्यायाधीश को शामिल किया जाए और चुनाव बैलेट पेपर से कराया जाना चाहिए। साथ ही चुनाव के दौरान खातों में पैसा भेजने और मतदाताओं को प्रलोभन देने का कार्य बंद होना चाहिए।

उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में उपचुनाव में वोटों की धांधली हुई। भाजपा ने मनमानी की। पुलिस सादे कपड़े में खुद वोट डालती नज़र आई। समाजवादी पार्टी ने बार-बार शिकायत की लेकिन चुनाव आयोग ने दोषी अधिकारियों, कर्मचारियों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की। चुनाव आयोग से समाजवादी पार्टी ने सीसी टीवी फुटेज की मांग की। आयोग ने फुटेज नहीं दी। उलटे 45 दिन बाद चुनाव की सीसी टीवी फुटेज हटाने का नियम बना दिया गया।

चुनाव आयोग पूरी तरह से पक्षपाती नज़र आ रहा है। यह स्थिति तब से पैदा हुई है जबसे चुनाव आयोग की नियुक्ति प्रक्रिया से मुख्य न्यायाधीश को हटाकर केन्द्रीय मंत्री को शामिल किया गया और चुनाव आयोग पर कोई कानूनी कार्रवाई न होने का बिल पास कर उसे ताकत दी गयी।

श्रीमती डिंपल यादव ने कहा कि एसआईआर के नाम पर नागरिकता कानून लागू किया जा रहा है। चुनाव आयोग द्वारा प्रशासनिक निष्पक्षता के नाम पर किया जा रहा यह कार्य नागरिकता, संवैधानिकता, नैतिकता के अधिकार पर सीधा निशाना है। चुनाव आयोग एनुअल समरी रिवीजन कराता है लेकिन नागरिकता का प्रमाण मांगना कानूनन उसके अधिकार में नहीं है। उन्होंने कहा कि अब तक चुनाव आयोग ऐसी संस्था रहा है जिसका कार्य हर व्यक्ति को वोटरलिस्ट में शामिल करना है लेकिन इस एसआईआर में देखा जा रहा है मतदाताओं का नाम जोड़ने के बजाय हटाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि बिहार में एसआईआर में 80 लाख वोटर के नाम हटाए गये। यह सूची उपलब्ध नहीं है कि 80 लाख वोटर कहां गए? एसआईआर के बाद अंतिम मतदाता सूची में 14 लाख डुप्लीकेट वोटर पाए गए। यूपी में चल रही एसआईआर की प्रक्रिया में बीएलओ को कोई प्रशिक्षण नहीं दिया गया। कई बीएलओ ने काम के बोझ के कारण आत्महत्या कर ली है। एसआईआर की प्रक्रिया वोट काटने की प्रक्रिया साबित हो रही है।

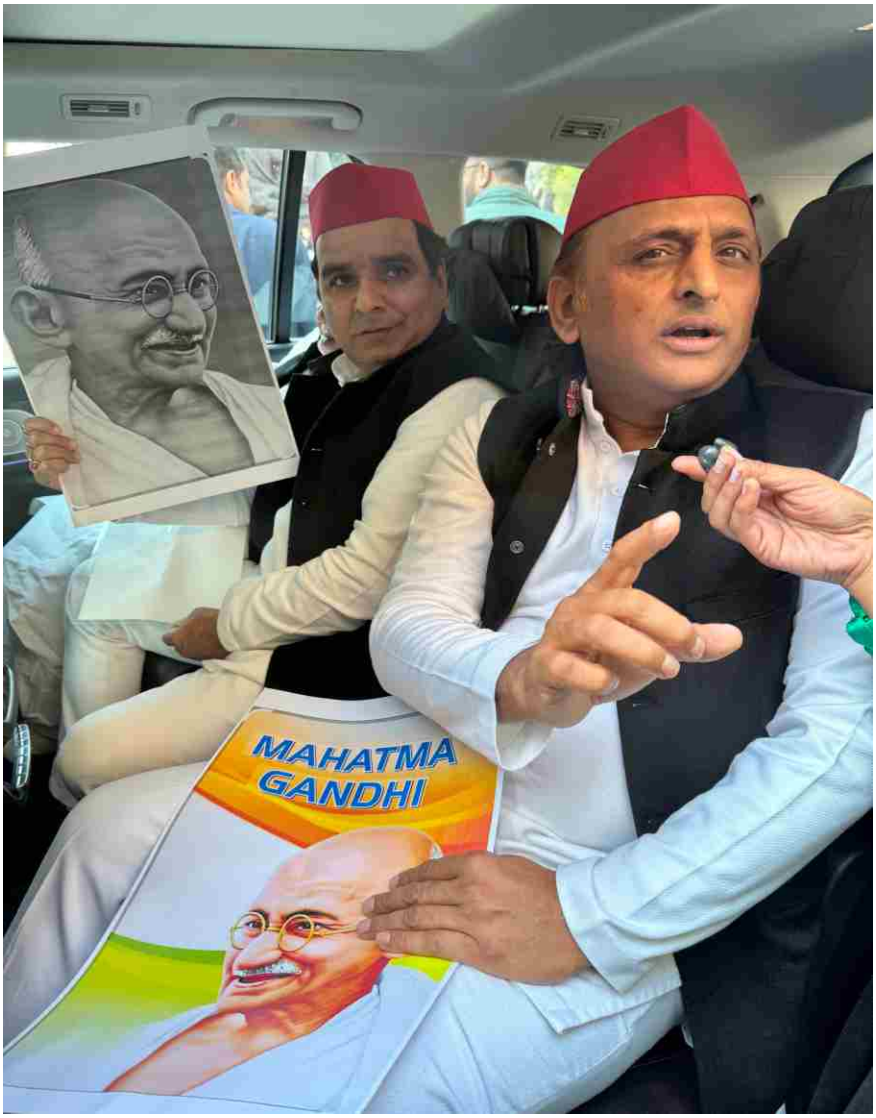

बाद भी चुनाव आयोग ने कोई कार्रवाई नहीं की।

हम समझ गए कि चुनाव आयोग पक्षपाती है। इसी तरह से मिल्कीपुर विधानसभा उपचुनाव में भी धांधली की गई। अधिकारियों और बीएलओ की तैनाती में भेदभाव किया गया। फर्जी वोट डलवाए गए। समाजवादी पार्टी ने शिकायत की लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। उत्तर प्रदेश में जितने भी उपचुनाव हुए निष्पक्ष नहीं हुए। निष्पक्ष चुनाव हुआ तो भाजपा 2027 में कहीं नहीं जीतेगी।

श्री यादव ने कहा कि मऊ में अभी उपचुनाव नहीं घोषित हुआ है लेकिन वहां धांधली शुरू हो गई है। चुनाव घोषणा से पहले ही 15 हजार वोट काट दिए गए हैं।

काम भाजपा खुलकर नहीं कर पा रही है वह एसआईआर के बहाने कर रही है।

श्री यादव ने कहा कि सबसे ज्यादा सुधार की जरूरत भरोसा जगाने की है। ईवीएम हटाकर बैलेट से चुनाव हो। चुनाव धांधली पर तय समय सीमा में कार्रवाई हो। विपक्ष की शिकायतों की अनदेखी न हो। पक्षपात न हो। चुनाव आयोग निर्भीक हो। चुनाव आयोग सरकार के इशारे पर काम न करे।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि चुनाव जीते जाते हैं, हारे जाते हैं लेकिन आयोग को निष्पक्ष होना चाहिए। चुनाव निष्पक्ष कराना चाहिए। चुनाव आयोग की जिम्मेदारी निष्पक्ष चुनाव कराने की जिम्मेदारी है लेकिन वह निष्पक्ष क्यों नही है? समाजवादी पार्टी ने चुनाव आयोग से शिकायत कर धांधली की जानकारी दी लेकिन आयोग ने कोई सुनवाई नहीं की। उत्तर प्रदेश में पिछले कई उपचुनाव में चुनाव निष्पक्ष नहीं हुए।

रामपुर लोकसभा उपचुनाव में भाजपा और उसके मुख्यमंत्री ने तय किया था कि सीट हर हालत में जीतनी है। हमें आशंका थी कि चुनाव में हर तरीके से धांधली की जाएगी। वोटिंग के दिन पुलिस-प्रशासन ने वोटरों को घर से नहीं निकलने दिया। सरकार और भाजपा की कोशिश रही कि मतदाता घरों से न निकलने पाएं। चुनाव के दौरान समाजवादी पार्टी ने एक-एक घटना की जानकारी और पुलिस-प्रशासन की ज्यादती की शिकायत चुनाव आयोग से की। उसके

SIR से जनता और BLO हलकान
अखिलेश ने की मदद

बुलेटिन ब्यूरो

निर्वाचन आयोग ने उत्तर प्रदेश में बिना किसी तैयारी के विशेष गहन मतदाता पुनरीक्षण शुरू कराकर जनता को मुसीबत में डाल दिया। साथ ही बीएलओ पर बिना किसी प्रशिक्षण के इतना काम लाद दिया गया कि उनकी जान पर बन गई।

यूपी में 11 बीएलओ की मौत यह बताती है कि चुनाव आयोग ने किस तरह उनपर काम का बोझ लाद दिया। इनके पीड़ित परिवारों की सरकार ने कोई मदद नहीं की लेकिन सपा मुखिया श्री अखिलेश यादव ने परिजनों की न केवल आर्थिक मदद की बल्कि उन्हें भरोसा दिलाया कि सपा उनके साथ खड़ी रहेगी।

चूंकि श्री अखिलेश यादव दूरदर्शी और अनुभवी राजनेता हैं इसलिए उन्होंने पहले ही भांप लिया था कि SIR की समय सीमा काफी कम है और इतने कम समय में उत्तर प्रदेश जैसे राज्य में SIR का काम पूरा नहीं हो सकता है इसलिए उन्होंने पहले दिन से ही समय सीमा बढ़ाने की मांग करनी शुरू की मगर निर्वाचन आयोग अनसुना करता रहा।

आखिरकार श्री अखिलेश यादव के अनुभव के अनुरूप ही SIR की प्रक्रिया इतने कम समय में पूरी होती नहीं दिखी तो यूपी राज्य निर्वाचन अधिकारी ने समय सीमा बढ़ाए जाने के लिए निर्वाचन आयोग को पत्र लिखा। आयोग ने पहले एक सप्ताह का समय बढ़ाया फिर SIR की प्रक्रिया को 25 दिसंबर तक बढ़ाना पड़ा।

SIR प्रक्रिया के दौरान आम जनता को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा है। इस प्रक्रिया को पूरा करने में उन्हें कामधाम छोड़कर कागजात तलाश करने में लगना पड़ा। शादी-विवाह के मौसम के दौरान यह काम काफी मुश्किल भरा रहा।

किसी को 2003 की वोटर लिस्ट में अपना या अपने परिवार का विवरण तलाश करने में परेशानी हुई तो किसी को दस्तावेज बनवाने में मेहनत करनी पड़ी। इस बार भी जनता

उसी तरह उलझी रही जैसा कि वह नोटबंदी के दौरान परेशान व हलकान हुई थी।

SIR को लेकर परेशानियों का सामना करने वाली जनता के बीच यह बिल्कुल साफ हो गया कि भाजपा सरकार में जनता को मूल मुद्दों से भटकाकर ऐसे ही कामों में उलझा दिया जाता है।

आम जनता के साथ बीएलओ भी SIR प्रक्रिया को लेकर काफी परेशान हुए। डिजिटल कामों से अनभिज्ञ या अभ्यस्त न रहने वाले बीएलओ इतना दबाव में आ गए कि कहीं कुछ बीएलओ ने जान दे दी तो कहीं हार्ट अटैक से उनकी मौत हो गई। यूपी में अकेले 1 1 बीएलओ की मौत की खबर है। भाजपा सरकार ने किसी भी बीएलओ की कोई मदद नहीं की।

जनता के सुख-दुख के साथी श्री अखिलेश यादव यहां भी डटकर खड़े हुए और उन्होंने बीएलओ परिवारों की मदद करनी शुरू की मगर सरकार की ओर से खामोशी ही रही। श्री अखिलेश यादव के दबाव के बाद निर्वाचन आयोग ने बीएलओ के वेतन में इजाफा किया।

बिना तैयारी के SIR

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने कहा कि चुनाव आयोग ने बिना किसी तैयारी के एसआईआर (मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण) किया। बीएलओ को ट्रेनिंग नहीं दी गई।

बिना तैयारी और हड़बड़ी में साजिशन शुरू किए गए SIR की वजह से यूपी में ही 11 के करीब बीएलाओ की जान चली गई। वोटरों को काफी दुश्वारियों का सामना करना पड़ा। SIR को लेकर लोगों पर मानसिक दबाव रहा और उन्हें शारीरिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ा।

भाजपा ने बेवजह साजिश के तहत SIR शुरू कराकर लोगों को परेशान किया, जनता 2027 में इसका जवाब भाजपा को सत्ता से बेदखल कर देगी।

उन्होंने कहा कि बीएलओ को ट्रेनिंग नहीं दी गई जिस वजह से गणना पत्र फार्म भरने में तमाम तरह की समस्या आई। लोगों को 2003 की मतदाता सूची से जानकारियां हासिल करने में बहुत दिक्कतें हुईं।

उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने पूरी जिम्मेदारी के साथ वोटरों की मदद की। बिना किसी तैयारी के SIR होने से बीएलओ इतने परेशान हुए कि उनकी जान चली गई। सरकार ने बीएलओ के परिवार की कोई मदद नहीं की।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार साजिश के तहत कन्नौज समेत कई जिलों में बड़े पैमाने पर वोटों में हेराफेरी करा रही है। वोट हटा रही है। कार्यकर्ताओं को सतर्क और सावधान रहने की जरूरत है।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार ने कोई विकास कार्य नहीं किया, जब जनता मुद्दों में हारने लगी तो वोट हटाने का नया तरीका एसआईआर निकाला है। भाजपा वर्तमान की बात नहीं करती है। वह या तो कई हजार साल पहले की बात करती है या 2047 की बात करती है। देश के सबसे खराब कानून व्यवस्था उत्तर प्रदेश में है। पीडितों की तहरीर नहीं लिखी जाती। अन्याय अत्याचार चरम पर है। अगर सरकार संवेदनशील होती, लोकतांत्रिक मूल्यों को समझती तो अपने आप सुधार करती लेकिन भाजपा सरकार को संविधान, कानून की कोई परवाह नहीं है। इस सरकार में अधिकारी भाजपा कार्यकर्ता बन कर काम कर रहे हैं।

वंदेमातरम् का भाव अहम

बुलेटिन ब्यूरो

कन्नौज के सांसद एवं समाजवादी पार्टी के मुखिया श्री अखिलेश यादव ने राष्ट्रीय गीत वंदेमातरम् के 150 वर्ष पूरे होने पर लोकसभा में चर्चा में हिस्सा लेते हुए भाजपा को आड़े हाथों लिया। उन्होंने इस मसले पर भाजपा को जोरदार तरीके से घेरा और उसकी नीयत, मंशा पर सवाल उठाए।

संसद में 8 दिसंबर को श्री अखिलेश यादव ने वंदेमातरम् पर तथ्य व तर्कों के साथ अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि भाजपा राष्ट्रवादी नहीं राष्ट्रविवादी पार्टी है। देश में जहां विवाद करना होता है वहां भाजपा के लोग सबसे आगे रहते हैं। भाजपा फूट डालो राज करो की नीति पर चलती है। श्री यादव ने कहा कि वंदे मातरम गाने से ज्यादा निभाना जरूरी है।

उन्होंने स्पष्ट किया कि वंदेमातरम् सिर्फ गाने के लिए नहीं है निभाने के लिए होना चाहिए। पीछे मुड़कर देखना चाहिए कि कितना निभाया जा रहा है। वंदेमातरम् ने आजादी के आंदोलन में सबको जोड़ा लेकिन आज के दरारवादी लोग उसी के देश को तोड़ना चाहते हैं। ऐसे लोगों ने पहले भी देश के साथ दगा किया आज भी दगा कर रहे हैं।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि जब कोलकाता के कांग्रेस के अधिवेशन में गुरूदेव रविन्द्र नाथ टैगोर ने पहली बार वंदेमातरम् गीत गया, उसके बाद वंदेमातरम की लोकप्रियता आम लोगों में पहुंच गई। जब क्रांतिकारियों को अंग्रेजों से लड़ना होता था तब वंदेमातरम् का नारा देकर लोगों को जोड़ने का काम करते थे। स्वतंत्रता आन्दोलन हो या स्वदेशी आंदोलन, क्रांतिकारी इसी नारे को लेकर आगे चले। वंदेमातरम् के माध्यम से देश एकजुट हुआ। अंग्रेज घबरा गए। अंग्रेज जहां कहीं वंदेमातरम् का नारा सुनते और देखते थे वे क्रांतिकारियों पर देशद्रोह का मुकदमा लगा देते थे। जेल भेज देते थे।

बंगाल में बच्चों ने जब क्लास रूम में वंदेमातरम् का गीत गया तब अंग्रेजों ने उन पर देशद्रोह का मुकदमा लगा कर जेल भेज दिया। अंग्रेजों ने 1905 से लेकर 1908 तक इसे प्रतिबंधित भी कर दिया था। उसके बावजूद भी हमारे क्रांतिकारी नहीं माने वंदेमातरम् को अपने दिल और दिमाग में रखा। जनता के बीच इस आंदोलन को आगे बढ़ाते रहे।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि आज सत्ता

पक्ष हर चीज को अपना दिखाना चाहता है। इस महान गीत को बंकिम चन्द चट्टोपाध्याय ने लिखा था लेकिन देखा जा रहा है जो महान पुरुष और जो चीज सत्ता पक्ष की नहीं है वह उसे अपनाना चाहती है। जब भाजपा का गठन हो रहा था उस समय भाजपा के चुने गए अध्यक्ष के भाषण पर चर्चा हो रही थी। चर्चा इस बात की थी कि भाजपा सेकुलर और सोशलिस्ट रास्ते पर जाएगी कि नहीं जाएगी। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष को तमाम विरोध के बावजूद समाजवादी आन्दोलन, समाजवादी विचारधारा और सेकुलर रास्ता अपनाना पड़ा। यही नहीं भाजपा ने मंच पर जयप्रकाश जी की तस्वीर लगाकर भ्रम फैलाने की कोशिश की कि वह जेपी के रास्ते पर चलेगी। आज सरकार के मंत्री बताएं की वे कितने सेक्युलर और सोशलिस्ट हैं?

श्री अखिलेश यादव ने साफतौर पर कहा कि वंदेमातरम् कोई दिखावा या राजनीति का विषय नहीं है। जब हम लोग बाहर सत्ता पक्ष के भाषणों और विचारों को सुनते हैं तो ऐसा लगता है कि वंदेमातरम् इन्हीं का बनवाया गीत है, सच्चाई यह है कि जिन्होंने आजादी के आंदोलन में भाग ही नहीं लिया हैं वे वंदेमातरम् का महत्व क्या जानेंगे? सच तो यह है कि सरफरोश लोग वंदेमातरम दिल से मानते थे।

उन आजादी के दीवानों के खिलाफ कुछ लोग अंग्रेजों के खिलाफ जासूसी और मुखबिरी का काम करते थे। ये राष्ट्रवादी नहीं राष्ट्रविवादी लोग हैं। कभी अंग्रेज विवाद करके, बांटकर राज किया करते थे। आज भी कुछ लोग वही बंटवारे का रास्ता अपना रहे हैं। इनका इतिहास खंगाला जाए तो पता चलता है कि इन्होंने आजादी के आंदोलन में और उसके बाद वंदेमातरम् नहीं गाया।

आखिर क्यों नहीं गाया? अंग्रेजों के मुखबिरों से पूछा जाना चाहिए कि आजादी के बाद भी वंदेमातरम् को अपना गीत क्यों नहीं बनाया? उनकी एक रंगी सोच ने तिरंगा क्यों नहीं फहराया?

श्री यादव ने कहा कि वंदेमातरम् सियासत के झूठे राष्ट्रवादियों के लिए नहीं है। गलत लोगों की गलत मंशा पूरा देश समझता है। वंदे मातरम का भाव था कि सांप्रदायिक राजनीति अब नहीं चलेगी। भाजपा ने जहां से कम्युनल पॉलिटिक्स शुरू की थी 2024 में उत्तर प्रदेश के लोगों ने उसे वहीं खत्म किया। उन्होंने कहा कि आजादी के आंदोलन में अगर बच्चे भी वंदे मातरम गा देते थे तो उन्हें देशद्रोह कानून लगाकर जेल भेज दिया जाता था। आज देश आजाद है। उत्तर प्रदेश में 26 हजार से ज्यादा प्राइमरी स्कूल बंद कर दिए गए। जब बच्चों को पढ़ाने के लिए पीडीए समाज के लोगों ने जिम्मेदारी उठाई तो भाजपा की सरकार ने पढ़ने वाले बच्चों और पढ़ाने वालों पर मुकदमें लगा दिए।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि वंदेमातरम् का जो भाव था उसी भाव से जुड़कर देश को मजबूत करना है। यह गीत हम सबको संविधान से मिला है इसलिए इस गीत के माध्यम से किसी पर टिप्पणी नहीं होनी चाहिए। न किसी पर दबाव बनाने की कोशिश होनी चाहिए। वंदेमातरम् एक भाव के रूप में हमारे अंदर बसा है।

लोगों को चाहे वह शब्द याद न हों, अर्थ मालूम न हो लेकिन हर सच्चे भारतीय के अंदर देश प्रेम की भावना जगाने के लिए वंदेमातरम् के दो शब्द ही काफी हैं। जो देश की एकता अखंडता चाहते हैं, भाईचारे को बुनियाद मानते है उनके लिए वंदेमातरम् के दो शब्द ही पर्याप्त है।

वंदेमातरम् केवल गीत नहीं है। यह हमें ऊर्जा देता था। आजादी के आन्दोलन में एकजुटता का नारा था। सभी जाति-धर्म के लोगों ने मिलकर वंदे मातरम के नारे के साथ एकजुट होकर अंग्रेंजो को भगाने के लिए लड़ाई लड़ी। आजादी के आंदोलन में जब देश जागा। वंदेमातरम् के साथ जय हिन्द और इंकलाब जिंदाबाद का नारा लगाकर अंग्रेजों को भगाया।

PDA के लिए संविधान ही आखिरी उम्मीद -अखिलेश

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव का स्पष्ट मानना है कि देश का नारा जय जवान, जय किसान, जय संविधान होना चाहिए। उन्होंने कहा कि संविधान ही पीडीए समाज की आखिरी उम्मीद है।

उन्होंने बाबा साहब के मिशन को पूरा करने का संकल्प दोहराते हुए कहा है कि सबको स्थान और सबको सम्मान देना समाजवादियों का लक्ष्य है और वे संकल्पित भी हैं। उन्होंने कहा कि दलित समाज को सम्मान मिलना उनका संवैधानिक अधिकार है और समाजवादी पार्टी उसी अधिकार को दिलाने के लिए लड़ाई लड़ रही है।

श्री अखिलेश यादव का मानना है कि संविधान को लेकर कोई पक्ष-विपक्ष नहीं होना चाहिए। सब एक तरफ़, एक मत होने चाहिए। संविधान सिर्फ़ किताब नहीं बुनियाद भी है। एक लोकतंत्र के लिए सबसे दुखद बात ये है कि संसद में संविधान को बचाने पर बहस हो रही है जबकि संविधान के हिसाब से देश को आगे बढ़ाने की चर्चा होनी चाहिए।

संविधान पर संकट का आना दरअसल लोकतंत्र पर संकट का छाना है। जो संविधान को कमज़ोर करना चाहते हैं, वो लोकतंत्र को कमज़ोर करना चाहते हैं और लोकतंत्र के विरोधी वही होते हैं जो एकतंत्र लाना चाहते हैं। संविधान हक़ देता है, और जो हक़ मारना चाहते हैं, वे संविधान को नकारने की कोशिश करते हैं।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि वह पहले भी कह चुके हैं और फिर दोहरा रहे हैं कि संविधान ही संजीवनी है। इसमें देश को अच्छा करने की, अच्छा रखने की शक्ति है। संविधान लोकतंत्र का कर्मग्रंथ होता है। इसीलिए हमारे लिए संविधान कर्मग्रंथ है। देश संविधान से चलना चाहिए, 'मन-विधान' से नहीं। संविधान ही पीडीए का प्रकाश स्तंभ है क्योंकि संविधान ही व्यक्ति की गरिमा और प्रतिष्ठा को सुनिश्चित करता है।

यह पीडीए समाज को शोषण, उत्पीड़न से बचाता है और शोषकों को यही सज़ा

दिलवाता है। इसीलिए हम पीडीए वालों के लिए आख़िरी उम्मीद का नाम संविधान है। संविधान ही हमारा रक्षा कवच है। संविधान ही हमारी ढाल है। संविधान है तो सुरक्षा है। संविधान है तो शक्ति है। संविधान ही देश की 90 फीसदी शोषित, उपेक्षित, पीड़ित, वंचित जनता के अधिकारों का सच्चा संरक्षक है। संविधान ही सबसे बड़ा मददगार है इसीलिए पीडीए के लिए संविधान की रक्षा जनम-मरण का विषय है। जो संविधान नहीं मानते, उनके लिए यह कोरा पन्ना है। संविधान ही लोकतंत्र की प्राणवायु है।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि संविधान को परतंत्र बनाकर जो लोग राज करना चाहते हैं, उनके लिए 'आज़ादी का अमृतकाल' भी सिर्फ़ एक जुमला है। सच तो यह है कि 'संविधान बचेगा तो न्याय बचेगा!' और न्याय बचेगा तभी सबको बराबर मान, सम्मान, सबको बराबर मौके मिलेंगे, भेदभाव भी मिटेगा और भेद का भाव भी इसीलिए आज फिर से संविधान को बचाने के लिए एक और करो या मरो आंदोलन की ज़रूरत है। 'सबको स्थान, सबको सम्मान'।

संवैधानिक व लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा का संकल्प

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के राज्य मुख्यालय लखनऊ समेत प्रदेश के सभी जिलों में समाजवादी पार्टी ने 26 नवंबर को संविधान दिवस मनाते हुए संवैधानिक व लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा का संकल्प लिया।

संविधान दिवस पर समाजवादी पार्टी ने कार्यक्रम आयोजित किए और गोष्ठी में देश के संविधान में दिए गए अधिकारों, कर्तव्यों पर विस्तार से चर्चा करते हुए कहा कि संविधान ही संजीवनी है और संविधान को किसी भी सूरत में कमजोर नहीं होने दिया जाएगा। समाजवादी पार्टी संविधान की मजबूती के लिए काम कर रही है और आगे भी करती रहेगी।

इस अवसर पर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने देशवासियों को संविधान दिवस की बधाई देते हुए कहा कि हमारा संविधान जितना मजबूत होगा लोकतंत्र उतना ही मजबूत होगा। बाबा साहब भीमराव अंबेडकर ने जो संविधान दिया है वह सोशलिज्म का रास्ता दिखाता है। उन्होंने संविधान की महत्ता पर विस्तारपूर्वक विचार व्यक्त किए।

उन्होंने इस बात पर दुख जताया कि भाजपा जब से सत्ता में आई है, वह बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर के बनाए संविधान को कमजोर कर रही है। भाजपा ने संविधान को सबसे ज्यादा ठेस पहुंचाई है। वह लोकतंत्र पर हमला कर रही है। भाजपा संविधान से सोशलिस्ट और सेकुलर शब्द हटाना चाहती है।

हमें अपने संविधान को हर हाल में बचाना है। संविधान हमारे अधिकारों की रक्षा करता है। संविधान से आरक्षण मिला हुआ है। संविधान हम सबकी ढाल है। भाजपा संविधान में दिए गए वोट के अधिकार का खत्म करना चाहती है। भाजपा और चुनाव आयोग उत्तर प्रदेश में करोड़ों लोगों का वोट काटने के प्रयास में है और करोड़ों लोगों को वोट के अधिकार से वंचित करना चाहती है। यूपी में करोड़ो लोगों का वोट षडयंत्र के तहत अधिकारियों के माध्यम से काटने की साजिश हो रही है।

उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार पीडीए से घबराई हुई है। हर पीड़ित, दुखी और अपमानित व्यक्ति समाजवादी पार्टी के साथ है। पीडीए के लोग पीडीए के साथ रहकर पीडीए की सरकार बनाने जा रहे हैं।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि मतदाता सूची नई बन रही है। एसआईआर हो रहा है। एसआईआर की प्रक्रिया में सरकार अधिकारियों और बीएलओ पर दबाव बना रही है। दबाव में बीएलओ की जान जा रही है। श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार डिटेंशन सेन्टर इसलिए बना रही है जिससे जनता इनको 2027 में डिटेंशन सेंटर भेज सके।

भाजपा की होगी हार पीडीए है तैयार

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने यूपी में 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव की तैयारियों पर कहा है कि जनता भाजपा को हराने के लिए तैयार है। अब उसके पास 4 0 0 दिन ही बचे हैं। समाजवादियों की तैयारी पूरी है। लोकसभा चुनाव से ही समाजवादी तैयारियों में जुटी है। भाजपा साजिश करने वाली पार्टी है इसलिए हमें हर दिन तैयार रहना है। उन्होंने कहा कि हार होते देखकर ही भाजपा ने एसआईआर शुरू कराया है।

10 दिसंबर को नई दिल्ली में एक टीवी चैनल से विशेष इंटरव्यू में श्री अखिलेश यादव ने विस्तार से बात रखी। उन्होंने कहा कि यूपी का विधानसभा चुनाव देश का चुनाव होगा। यूपी से प्रधानमंत्री, रक्षा मंत्री और कई पार्टियों के राष्ट्रीय अध्यक्ष चुनकर आते हैं। यूपी में हम लोगों को हर दिन तैयारी करनी है।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि उत्तर प्रदेश के 2027 के विधानसभा चुनाव में 400 से कम दिन बचे हैं। हमारी तैयारी पूरी है। समाजवादी पार्टी लोकसभा चुनाव से ही तैयारी कर रही है। समाजवादी पार्टी की तैयारी अच्छी है। इसीलिए एसआईआर थोपा गया है। भाजपा ने बिहार में टेस्ट किया कि एसआईआर करके चुनाव कैसे जीता जा सकता है। अब उनकी पश्चिमी बंगाल की तैयारी है लेकिन हमें बंगाल में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी जी पर भरोसा है कि वह भाजपा को सफल नहीं होने देंगी।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि यूपी ने पहले भी परिणाम दिया है। अब विधानसभा चुनाव में उससे अच्छा परिणाम आएगा। यूपी का कई वर्षों का ट्रैक रिकार्ड रहा है कि जो लोकसभा जीतता है वही विधानसभा चुनाव जीतता है।

श्री यादव ने कहा कि एसआईआर को लेकर सभी नेताओं ने पक्ष रखा है। यूपी में एसआईआर को लेकर जो खबरें आ रही हैं

उसमें 4 से 5 करोड़ लोगों को फिर फार्म भरना पड़ेगा। एसआईआर के बाद जो फाइनल लिस्ट आएगी उसमें 4 करोड़ से ज्यादा लोगों को परेशानियां होंगी। एसआईआर के लिए जो मैपिंग ऐप बना है वह सहयोग नहीं कर रहा है।

मैपिंग ऐप बनाने वाली कंपनी ने भाजपा को इलेक्ट्रोरल बांड दिए हैं। जिस कम्पनी ने इलेक्ट्रोरल बांड दिया है अगर उसी कम्पनी का मैपिंग ऐप है तो स्वाभाविक तौर पर आम जनता को परेशानी उठानी पड़ेगी।

श्री यादव ने कहा कि आखिर जनता को क्यों परेशान किया जा रहा है। लोगों के पास आधार कार्ड है। आधार से सब कुछ जुड़ा है। बैंक खाते आधार से लिंक हैं। आधार से पासपोर्ट बन रहा है। आधार का इस्तेमाल एडमीशन में हो रहा है। आधार पर सरकार ने बहुत संसाधन खर्च किया लेकिन अब सरकार आधार नहीं मान रही है।

इसका मतलब है भाजपा हार गई है। अब एसआईआर के बहाने जीतना चाहती है। भाजपा सरकार एनआरसी नहीं करा पाई, अब वही कार्य एसआईआर के बहाने कर रही है।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि सरकार से पूछा जाना चाहिए कि एसआईआर से पहले डिटेंशन सेंटर क्यों नहीं बनाया? अगर बात घुसपैठियों की है तो सरकार बताए कि 10-11 साल में कितने घुसपैठिए आए। अगर आंकड़ा ज्यादा निकलता है तो सरकार को इस्तीफा देना चाहिए।

श्री यादव ने कहा कि कोई घुसपैठिया नहीं है और कोई डिटेंशन सेन्टर की तैयारी नहीं है, यह केवल डराने की तैयारी है। उन्होंने कहा कि लुढ़कती हुई सरकार का रूपया लुढ़क रहा है। भाजपा सरकार हर मोर्चे पर फेल है। उत्तर प्रदेश में तो कुछ लोग ऐसे हैं जो दिन-रात कुर्सी पाने और छीनने के सपने देखते हैं। यूपी में कुर्सी की लड़ाई है। कुर्सी बचाने के लिए डिटेंशन का बहाना है। जब भी कुर्सी को खतरा होता है भाजपा के लोग सांप्रदायिक हो जाते हैं। बदल जाते हैं, कम्युनल हो जाते हैं लेकिन समाजवादी पार्टी ने भी रास्ता ढूंढ़ लिया है। पीडीए के लोग मिलकर सब एक साथ होकर लोकतंत्र और संविधान को मजबूत करेंगे।

उन्होंने कहा कि यूपी में भाजपा को हराने के लिए पीडीए तैयार है। बिहार के विधानसभा चुनाव से कुछ सीखा जा सकता है लेकिन यूपी का चुनाव अलग होता है। समाजवादी पार्टी राष्ट्रविवादी और दरारवादी भाजपा से सावधान है। भाजपा किसी की सगी नहीं है। बिहार चुनाव में ईवीएम एक पहलू है। वहां चुनाव कैम्पेन में कहीं नहीं लगा कि इंडिया गठबंधन चुनाव हार रहा है लेकिन मतगणना अलग तरह से होती है। हमारे यहां आज विकसित भारत का नारा दिया जा रहा है लेकिन जो विकसित देश है वहां सवाल उठे तो ईवीएम हटा दिया गया। लोकतंत्र पर लोगों का भरोसा बढ़े इसके लिए ईवीएम हटाना पड़ेगा।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि वंदे मातरम को लेकर सारी बहस तब खत्म हो जाती है जब संविधान सभा ने यह तय कर दिया था कि क्या गाना है और क्या पंक्तियां रखनी है। जब इसकी सहमति गुरूदेव रविन्द्र नाथ टैगोर की तरफ से आ गई, तब इस पर दोबारा चर्चा नहीं करनी चाहिए।

सपा मुखिया ने कहा कि जो हटाने और रखने की बात कर रहे हैं वे बाबा साहब डॉ. भीमराव राव अंबेडकर के संविधान के विरोधी हैं क्योंकि जब संविधान सभा ने उस समय की परिस्थितियां, इमोशन की वजह से तय किया कि राष्ट्रगान क्या है और राष्ट्रगीत क्या होगा।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि जब समाजवादी पार्टी 2022 का चुनाव हारी तो कई शिकायतें की गईं। हमने शिकायत की कि भाजपा ने चुनाव आयोग से मिलकर समाजवादी पार्टी समर्थकों के वोट काटे जो मतदाता 2019 में वोट डाले थे उसमें से हजारों लोगों के वोट 2022 में काट दिए गए। हमने आरोप लगाए तो चुनाव आयोग ने नोटिस दिया। समाजवादी पार्टी ने 18 हजार लोगों का हलफनाव दिया लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई।

उन्होंने कहा कि मतदाता सूची का एनुअल रिवीजन हर साल होता है लेकिन पूरी मतदाता सूची खत्म कर नए सिरे से मतदाता सूची बने, कभी नहीं हुआ। आयोग आधार नहीं मान रहा है। यूपी के साढ़े तीन करोड़ मजदूर बाहर हैं। घर के लोग फार्म भर दें तो एफआईआर कर दे रहे हैं जबकि चुनाव आयोग का निर्देश है परिवार के सदस्य फार्म भर सकते हैं लेकिन रामपुर में जिलाधिकारी ने अपने नम्बर बढ़ाने के लिए एफआईआर करा दी। एसआईआर को लेकर नीयत साफ हो और जनता को परेशान नहीं करना चाहिए।

श्री यादव ने कहा कि भाजपा सरकार में भ्रष्टाचार चरम पर है। कोडीन सिरप के अपराधियों पर कार्रवाई नहीं हुई। बुलडोजर की चाभी खो गयी। बुलडोजर सिर्फ पीडीए पर चलता है।

पूरब से पश्चिम तक

अखिलेश के दौरों में उमड़ रही भीड़

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव का उत्तर प्रदेश के पूरब से पश्चिम तक विभिन्न जिलों के दौरों में गर्मजोशी के साथ किए गए भव्य स्वागत ने एक बार फिर गवाही दी कि उनकी लोकप्रियता निरंतर बढ़ रही है और लोगों को इंतजार है कि 2027 में वह फिर यूपी के मुख्यमंत्री बनकर प्रदेश को खुशहाली के रास्ते पर लाएं। दौरों में उमड़ी भीड़ बता रही है कि लोग भाजपा सरकार से आजिज़ आ चुके हैं और उन्हें श्री अखिलेश यादव से बहुत उम्मीदें हैं।

श्री अखिलेश यादव 28 नवंबर को कानपुर देहात के दौरे पर थे। उन्होंने मूसानगर क्षेत्र के सराय स्थित रामदुलारी मेमोरियल पीजी महाविद्यालय में श्री लल्लन सिंह यादव की माता श्रीमती रामदुलारी देवी व पिता बद्रीनंदन यादव की प्रतिमा का अनावरण किया।

कानपुर पहुंचने पर श्री यादव का भव्य स्वागत किया गया। यहां कार्यकर्ताओं ने श्री अखिलेश यादव के पक्ष में नारे लगाए। आम जनता भी भारी संख्या में श्री यादव के स्वागत में उमड़ पड़ी। श्री यादव ने कई कार्यों का शिलान्यास भी किया।

उन्होंने लोगों की समस्याएं सुनीं और भरोसा दिलाया कि जल्द ही भाजपा राज से निजात मिल जाएगी तो प्रदेश के विकास कार्यों में तेजी लाई जाएगी। अखिलेश यादव ने कहा कि यूपी में भ्रष्टाचार बेरोजगारी, मंहगाई चरम सीमा पर है. सरकार एसआईआर के बहाने नौकरी, आरक्षण और हमारे सभी अधिकार छीन लेगी।

उन्होंने कहा कि बाबा साहब डा भीम राव अंबेडकर ने जो दलित पिछड़े आदिवासी, अल्पसंख्यक को अधिकार दिलाए थे सरकार उनसे सब अधिकार छीनने की तैयारी कर रही है।

28 नवंबर को ही श्री अखिलेश यादव फतेहपुर पहुंचे और वहां पर एसआईआर प्रक्रिया में दबाव के चलते जान देने वाले लेखपाल सुधीर कोरी के परिवारीजनों से मुलाकात की और उन्हें सांत्वना दी। यहां भी श्री अखिलेश यादव से मुलाकात करने वालों का तांता लग गया। हालांकि यहां श्री अखिलेश यादव ने स्वागत में नारा लगाने वालों को रोका कि यहां वह शोकाकुल परिवार से मुलाकात करने आए हैं। लोगों ने भाजपा राज में बढ़ते अत्याचार से निजात दिलाने की श्री अखिलेश यादव से मांग की।

2 दिसंबर को घोसी जाने के लिए श्री अखिलेश यादव मऊ पहुंचे तो कार्यकर्ताओं व आमजनों का सैलाब उमड़ पड़ा। मऊ में उनका भव्य स्वागत हुआ। सपा व श्री अखिलेश यादव के पक्ष में नारे लगे। घोसी जाते हुए रास्ते भर लोग श्री यादव के स्वागत में कतारबद्ध होकर खड़े रहे। श्री यादव ने दुर्घटना में एक शख्स की मौत हो जाने के बाद जाम लगाए लोगों व पीड़ित परिवार से मुलाकात की और उन्हें आर्थिक सहायता भी दी। साथ ही जिलाधिकारी से बात कर सरकारी सहायता दिलाने को भी कहा।

6 दिसंबर को फतेहपुर सीकरी पहुंचे श्री अखिलेश यादव व श्रीमती डिंपल यादव का आगरा व फतेहपुर सीकरी में भी भव्य स्वागत हुआ। 7 दिसंबर को सहारनपुर में निजी कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे श्री अखिलेश यादव के स्वागत में जन सैलाब उमड़ पड़ा। श्री यादव जिस भी जिले में पहुंच रहे हैं, भाजपा से त्रस्त अवाम उनसे उम्मीद लेकर मिल रही है और उनपर भरोसा दिलाते हुए बता रही है कि 2027 में आम जनता भाजपा को उखाड़ फेंकने के लिए तैयार है।

व्यापारियों ने अखिलेश से मुलाकात कर सुनाई पीड़ा

बुलेटिन ब्यूरो

वाराणसी दाल मंडी में दुकानों पर चल रहे बुलडोजर से प्रभावित पीड़ित व्यापारियों ने 21 नवंबर को लखनऊ में समाजवादी पार्टी कार्यालय में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव से मुलाकात की और अपनी पीड़ा बयां की।

श्री अखिलेश यादव ने इन व्यापारियों की पीड़ा को गंभीरता से सुना और आश्वस्त किया कि समाजवादी पार्टी उनके साथ है और उनके खिलाफ चल रही भाजपा की साजिशों के विरुद्ध पार्टी संघर्ष करेंगी।

वाराणसी दाल मंडी के व्यापारी राहुल, किशन दीक्षित और नीलोफर ने विस्तार से सरकार के अन्याय, अत्याचार की जानकारी दी और श्री अखिलेश यादव को बताया कि यह प्रोजेक्ट व्यापारियों के हित में नहीं है। हम लोग यहां कई पीढ़ी से बसे हुए हैं। यह हेरिटेज जगह है। इसमें बदलाव करना गलत है। इससे बहुत बड़ी संख्या में लोग बर्बाद हो जाएंगे। इस इलाके में छोटे-छोटे दुकानदार हैं जिनका बड़ा नुकसान हो रहा है।

पीड़ित व्यापारियों से मुलाकात के बाद पत्रकारों से बातचीत करते हुए श्री अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार की इस कार्यवाही पर नाराजगी जाहिर की और कहा कि कई साल से भाजपा सरकार ने वाराणसी दाल मंडी के व्यापारियों पर संकट पैदा किया है। व्यापारियों की दुकानों को ध्वस्त करना उनके साथ अन्याय और अत्याचार है। यह कोई हिस्ट्री बचाने का या हेरिटेज को बचाने की योजना नहीं है। यह ध्वस्तीकरण राजनीतिक है। भाजपा उस बाजार से चुनाव

हारी है इसीलिए व्यापारियों को परेशान कर रही है। उनका नुकसान कर रही है।

श्री अखिलेश यादव ने मांग की कि वाराणसी दाल मंडी का राजनीतिक डिमोलिशन रोका जाए। उन्होंने कहा कि दुनिया में तमाम देश हैं जिन्होंने अपनी ऐतिहासिक चीजों और हेरीटेज को बचाते हुए विकास किया है, सुविधाएं दी हैं जिससे आने वाले पर्यटकों से व्यापार को लाभ हुआ है। उन्होंने कहा कि भाजपा वाराणसी के दाल मंडी वालों को दाल की तरह न दले। दाल मंडी वाले व्यापारियों और कारोबारियों को संरक्षण और सम्मान दे।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि जब व्यापारी तैयार नहीं हैं तो सरकार उनकी दुकान और व्यापार क्यों छीन रही है। दाल मंडी जैसी मार्केट कोई एक दिन में नहीं बनती है, वहां पर लोग लंबे समय से रह रहे और कारोबार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि एक दुकान को बनाने और जमाने में वर्षों लग जाते हैं, उजाड़ने मे कुछ पल भी नही लगता है। भाजपा सरकार दुकानों को तोड़कर ध्वस्त कर देना चाहती है। मुआवजे में दूसरी जगह, दुकान मिल सकती है पर ग्राहक और बाजार नहीं। भाजपा व्यापार और व्यापारी विरोधी है। भाजपा के लोग नकारात्मक हैं। चौड़ीकरण के नाम पर भाजपा अपनी संकीर्ण मानसिकता से साजिश कर रही है। यह भाजपा की संकीर्ण सियासत है।

उन्होंने कहा कि सरकार को किसी की जीविका छीनने का अधिकार किसने दे दिया? भाजपा अधिकारियों के माध्यम से अपनी ताकत का प्रदर्शन कर रही है। अधिकारियों के जरिये दबाव बना रही है, डरा रही है, धमका रही है। भाजपा का यह अन्याय और अत्याचार अब ज्यादा दिन नहीं चलेगा। इस सरकार ने 9 साल में कोई कार्य नहीं किया है। किसानों नौजवानों व्यापारियों और आम जनता के साथ अन्याय, अत्याचार किया है। उनके हक और अधिकार को छीना है।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि वाराणसी में भी मेट्रो के लिए समाजवादी पार्टी की सरकार में डीपीआर बनाया गया था और 50 करोड़ का बजट भी दिया गया था। मेट्रो का कार्य रोकने वाली भाजपा सरकार है। अगर समाजवादी पार्टी की सरकार होती तो अब तक वाराणसी में मेट्रो चल गई होती। मेट्रो बनने के बाद किसी भी व्यापारी की दुकान या घर को गिराने की नौबत नहीं आती।

उन्होंने कहा कि जब अपनी जमीन का मुआवजा लेना था तो खुद जमकर मुआवजा लिया लेकिन किसानों व्यापारियों और गरीबों की जमीनों का उचित मुआवजा नहीं देते हैं। भाजपा सरकार में भ्रष्टाचार चरम पर है।

भाजपा वर्तमान की बात नहीं करती है लोगों के दुख दर्द को नहीं समझती है। भाजपा के लोग या तो एक हजार साल पहले की बात करते हैं या बहुत आगे की बात करते हैं। अब यह 2047 की बात कर रहे हैं। इनके पास झूठे सपनों के अलावा कुछ नहीं है। सरकार के दबाव में अधिकारी मनमानी कर रहे हैं। अधिकारियों की सब मनमानी नोट हो रही है। समय आने पर इनको जवाब देना पड़ेगा।

इस अवसर पर राष्ट्रीय उपाध्यक्ष किरनमय नंदा, सांसद वीरेन्द्र सिंह, प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल, जिलाध्यक्ष सुजीत यादव लक्कड़, महासचिव योगेन्द्र यादव तथा महिला सभा की प्रदेश अध्यक्ष रीबू श्रीवास्तव आदि भी मौजूद रहे।

जनता के सुख-दुख के साथी थे विधायक सुधाकर सिंह

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के मऊ जिले के घोसी विधानसभा क्षेत्र से विधायक सुधाकर सिंह का 20 नवंबर को लखनऊ स्थित मेदांता अस्पताल में निधन हो गया। वह 67 वर्ष के थे। श्री सुधाकर सिंह के निधन की जानकारी मिलते ही समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव मेदांता पहुंचकर परिवारीजनों से मिले।

श्री यादव ने सुधाकर सिंह के पुत्र श्री सुजीत सिंह और अन्य परिजनों से मिलकर ढांढस बंधाया और सांत्वना दी। बाद में 2 दिसंबर को श्री अखिलेश यादव ने दिवंगत सुधाकर सिंह के पैतृक आवास पहुंचकर भी श्रद्धांजलि दी और भावुक हो गए। उन्होंने कहा कि हमने एक मजबूत और जनता ने सुख-दुख का साथी खो दिया है।

श्री सुधाकर सिंह के निधन पर गहरा शोक

व्यक्त करते हुए श्री अखिलेश यादव ने कहा कि उनका न रहना समाजवादी पार्टी की अपूरणीय क्षति बताया। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल सिंह यादव, पूर्व नेता विरोधी दल राम गोविंद चौधरी सहित बड़ी संख्या में समाजवादी पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने भी मेदांता हॉस्पिटल पहुंचकर श्री सुधाकर सिंह के अंतिम दर्शन किए और परिवारीजनों से मिलकर शोक प्रकट किया।

2 दिसंबर को श्री अखिलेश यादव ने दिवंगत विधायक सुधाकर सिंह के पैतृक गांव घोसी के दादनपुर अहिरौली पहुंचकर श्रद्धांजलि दी और सुधाकर सिंह को शिद्दत से याद किया। श्री अखिलेश यादव ने यहां कहा कि सुधाकर सिंह हर समय जनता की मदद को तैयार रहते थे। थाना, तहसील या जहां भी जनता को तकलीफ हुई, वह तत्परता से वहां पहुंचने वाले जन प्रतिनिधि थे।

यही वजह थी कि लोगों को उनके साथ अपनापन महसूस होता था। श्री यादव ने कहा कि राजनीतिक समझ, राजनीतिक पकड़ और कुशल व सौम्य व्यवहार के कारण वह हर परिस्थिति का डटकर मुकाबला करने वाले नेता थे। वे हर भाव से समाजवादी थे और हमने एक सच्चा और कर्मठ साथी खो दिया है। परिवार को सांत्वना देते हुए श्री यादव ने कहा कि वह और पूरी समाजवादी पार्टी, दिवंगत सुधाकर सिंह के परिवार के साथ हमेशा मजबूती के साथ खड़ी रहेगी।

गोवा की आजादी में समाजवादियों का योगदान

राजेन्द्र चौधरी

गोवा मुक्ति दिवस पर 19 दिसंबर को गोवा में पीसफुल सोसायटी द्वारा आयोजित होने वाले कार्यक्रम ने गोवा की आजादी में समाजवादियों के योगदान की याद फिर ताज़ा कर दी।

गोवा पर क्रूर पुर्तगाल शासन 451 वर्षों तक रहा। पुर्तगाली शासन से गोवा, दमन और दीव को आजाद कराने का संघर्ष लंबा चला जो 1940 से तेज हुआ। इस आंदोलन को गति देने जब प्रखर समाजवादी नेता डॉ. राममनोहर लोहिया ने 18 जून 1946 को मडगांव में एक बड़ी जनसभा को संबोधित किया, तब उनकी गिरफ्तारी के बाद जनता का जनाक्रोश फूट पड़ा।

महात्मा गांधी जी ने अपने 'हरिजन' अखबार में लेख लिखकर डॉ. लोहिया की गिरफ्तारी की निंदा की। गोवा का मसला तब अन्तरराष्ट्रीय मंच पर भी चर्चा का विषय बन गया। डॉ. लोहिया ने गोवा की आजादी की जो अलख जगाई उसी का परिणाम है कि आज गोवावासी आजादी में सांस ले रहे हैं और कल का पुर्तगाली उपनिवेश आज भारत का अंग बन गया है। इस आजादी की लड़ाई में समाजवादी नेता श्री मधुलिमये के संघर्ष को भी हम नमन करते हैं। उन्हें सालाजार की जेल में बहुत यातनाएं दी गई थीं।

गोवा की आजादी की लड़ाई में प्रारंभिक हिचक के बाद भारत सरकार ने 1961 में सैन्य कार्यवाही का फैसला किया। 'आपरेशन विजय 36 घंटे चला और 19 दिसम्बर 1961 को पुर्तगाली गवर्नर जनरल ने भारतीय सेना के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। 19 दिसंबर की तिथि का इस तरह ऐतिहासिक महत्व है जो यूरोपीय औपनिवेशिक शासन से भारत की पूर्ण मुक्ति का प्रतीक है।

गोवा से समाजवादियों का पुराना रिश्ता रहा है। समाजवादी आंदोलन के महानायक डॉ. लोहिया को गोवा आंदोलन के दौरान गोवा में अरब सागर पर अगोड़ा-सेंट्रल जेल में जिस

बैरक में गिरफ्तार कर रखा गया था वहां उनकी आदमकद प्रतिमा स्थापित है। दक्षिण गोवा में मरगाओ सेंट्रल स्क्वायर से 18 जून 1946 को गिरफ्तार कर उन्हें अगोड़ा जेल में बंद किया गया था। यहां जेल हेरिटेज ब्लाक में बंदी स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों की सूची में लोहिया जी का नाम भी अंकित है। यहां आज भी देश के विभिन्न प्रांतों से लोग आकर श्रद्धासुमन अर्पित करते हैं।

श्री अखिलेश यादव, डॉ. राम मनोहर लोहिया के उसी रास्ते पर चल रहे हैं जो अन्याय के प्रतिकार, लोकतंत्र को बचाने तथा वंचितों को अधिकार दिलाने का रास्ता है। समाजवादी पार्टी लोहिया की विरासत को आगे बढ़ाने को प्रतिबद्ध है।

गोवा मुक्ति दिवस 19 दिसंबर 2023 के अवसर पर गांधीवादी, पश्चिमी घाट बचाओ आंदोलन के नेता श्री कुमार कलानंद मणि के संयोजन में पीसफुल सोसायटी द्वारा आयोजित कार्यक्रम में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव के निर्देश के क्रम में गोवा मुक्ति दिवस पर राजेन्द्र चौधरी ने अगोड़ा सेंट्रल जेल का दौरा किया था।

वहां स्थित जेल म्यूजियम में डॉ राम मनोहर लोहिया की प्रतिमा एवं मडगांव के लोहिया मैदान में डॉ राममनोहर लोहिया की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। लोहिया मैदान में प्रतिमा के समीप भारतीय संविधान की प्रस्तावना में उल्लेखित शिलापट्ट, मनोहर राय सरदेसाई की कविता 18 जून और लोहिया मैदान का मंच समाजवादियों के गौरवशाली अतीत की याद दिलाता है।

लोहिया मैदान में 18 जून 2023 को क्रांतिदिन समिति के कोषाध्यक्ष श्री विनायक मोडेडकर ने सम्मानित करते हुए डॉ राममनोहर लोहिया से जुड़ी दुर्लभ जानकारियां साझा की। श्री विनायक के पिता श्री मधुकर यशवंत मोडेडकर स्वतंत्रता संग्राम सेनानी थे, उन्होंने डॉ०लोहिया के साथ गोवा मुक्ति संग्राम में संघर्ष किया था। गोवा के मुक्ति दिवस पर पुनः गोवा के स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों को नमन।

(लेखक पूर्व मंत्री व समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव हैं)

अखिलेश ने फरहान संग देखी देशभक्ति पर बनी फिल्म

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने 26 नवंबर को फिल्म निर्देशक व अभिनेता फरहान अख्तर के साथ उनके द्वारा अभिनीत फिल्म '1 2 0 बहादुर' को राजधानी लखनऊ के प्लासियो मॉल के थिएटर में सपा के नेताओं एवं कार्यकर्ताओं के साथ देखी। फिल्म के शो के दौरान अभिनेता फरहान अख्तर, श्री अखिलेश यादव के साथ मौजूद रहे।

यह फिल्म 1962 में भारत और चीन युद्ध के दौरान रेजांगला में भारतीय सैनिकों के अदम्य शौर्य और पराक्रम की वीरता पर आधारित है। युद्ध में भारतीय सेना के 120 अहीर सैनिकों ने मेजर शैतान सिंह के नेतृत्व में रेजांगला पोस्ट पर अपनी जान की परवाह किए बिना अदम्य साहस दिखाते हुए मातृभूमि की रक्षा की।

श्री अखिलेश यादव के साथ पार्टी के विधायकों नेताओं और कार्यकर्ताओं ने फिल्म देखकर वीर सैनिकों के अदम्य साहस और वीरता की भूरि-भूरि प्रशंसा की। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि श्री यादव ने इस प्लासियो मॉल का निर्माण अपने मुख्यमंत्रित्व काल में कराया था।

फिल्म देखने के बाद मीडिया से बात करते हुए श्री अखिलेश यादव ने कहा कि यह फिल्म '120 बहादुर' हमारे वीर जवानों की वीरता पर आधारित सच्ची घटना है।

उन्होंने कहा कि हमारी सेना दुनिया की सबसे बहादुर सेना है। हमारे जवान कठिन परिस्थितियों में सीमा की रक्षा करते हैं। यह फिल्म सच्ची लड़ाई पर है। फिल्म में दिखाया गया है कि हमारी बहादुर सेना ने किस तरह से शत्रु का सामना किया और बहादुरी से युद्ध लड़ा। मेजर शैतान सिंह को उनकी वीरता के लिए परमवीर चक्र मिला।

श्री यादव ने कहा कि हम लोग अपनी बहादुर सेना का सम्मान करते हैं। नई पीढ़ी को सेना की वीरता को देखना चाहिए। हम सभी लोगों को अहीर जवानों की वीरता पर गर्व है। सभी ने देखा कि किस तरह से जवानों ने चीनी सेना का मुकाबला किया और अपनी मातृभूमि की रक्षा की। जवान विपरीत परिस्थितियों में भारत माता की रक्षा के लिए लड़े।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादी

पार्टी ने अहीर रेजीमेंट की मांग अपने चुनाव घोषणा पत्र में भी की थी और हमारी मांग है कि जितने लोग जिन-जिन रेजीमेंट की मांग कर रहे हैं, सबको बनाया जाना चाहिए। बड़े पैमाने पर हमारे नौजवान वर्दी पहनकर देश की सेवा करना चाहते हैं। भारत मां की रक्षा करना चाहते हैं इसलिए ज्यादा से ज्यादा फौज की भर्ती हो और ज्यादा से ज्यादा रेजीमेंट बनें। श्री यादव ने इस अवसर पर फिल्म निर्देशक और अभिनेता फरहान अख्तर और उनकी पूरी टीम को बधाई दी।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि वह काफी लम्बे समय के बाद थियेटर में मूवी देखने आए हैं। युवाओं को देशभक्ति से जुड़ी ऐसी फिल्में देखनी चाहिए। उन्होंने कहा कि आज भाजपा सरकार चीन के साथ व्यापार को बढ़ा रही है। भारत का पूरा बाजार चीन के सामानों से भरा पड़ा है। चीन हमारे बाजार पर कब्जा कर रहा है। सीमा पर घुसपैठ कर रहा है। श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार की विदेश नीति फेल है। इस सरकार में देश की सीमाएं सुरक्षित नहीं है। सीमाएं सिकुड़ रही हैं।

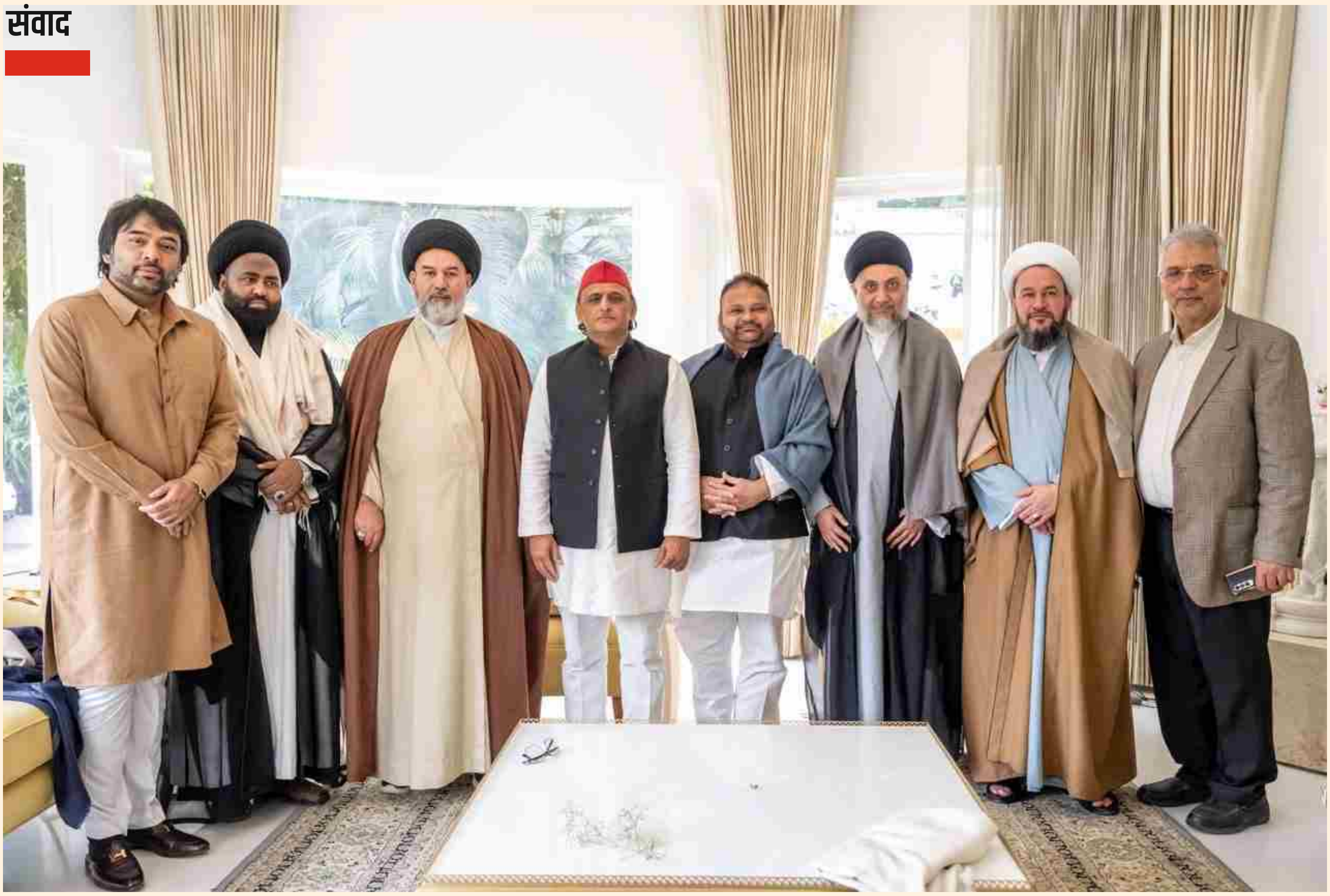

ईराकी उलेमा ने अखिलेश की नेतृत्व क्षमता को सराहा

बुलेटिन ब्यूरो

नजफ ईराक के सम्मानित आध्यात्मिक नेता अयातुल्ला शेख मोहम्मद याकूबी के प्रतिनिधियों ने 11 दिसंबर को समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव से लखनऊ में मुलाकात की और परस्पर कई विषयों पर विस्तार से चर्चा की।

मौलाना जावेद आब्दी के नेतृत्व में आए प्रतिनिधियों में सर्वश्री अल्लामा सैयद अली अल यासरी, अल्लामा सैयद अली नकी जैदी, अल्लामा डॉ. सैयद कल्बे अब्बास रिजवी अल इज्तेहादी तथा अल्लामा शेख सालह शामिल रहे।

ईराकी प्रतिनिधियों ने श्री अखिलेश यादव से मुलाकात को यादगार बताते हुए कहा कि भारत श्री अखिलेश यादव जी के नेतृत्व में तरक्की कर सकता है। उनमें क्षमता है कि वे सबको साथ लेकर चल सकते हैं। ईराक में भी लोग उन्हें काफी पसंद करते हैं।

भारत-ईराक के घनिष्ठ रिश्तों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी जी को ईराकी लोग भी बहुत मानते हैं। प्रतिनिधियों ने बताया कि अखिलेश जी से ईराकी सांसद बहुत कुछ सीख सकते हैं। उन्होंने बताया कि भारत की संसद में उनके भाषणों की अरबी में अनुवाद की व्यवस्था की जाएगी।

ईराकी प्रतिनिधियों ने बताया कि उनके देश में पेट्रोल का पर्याप्त उत्पादन है। भारत-ईराक के बीच बेहतर व्यापारिक और

सांस्कृतिक रिश्तों में मजबूती होनी चाहिए। ईराकी प्रतिनिधियों का स्वागत करते हुए श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भारत वसुधैव कुटुम्बकम् की भावना वाला देश हैं हमारे लिए पूरा विश्व एक परिवार है। भारतीय संस्कृति की यह विराट वैश्विक भावना मिलने जुलने और मेलमिलाप से ही फलती फूलती है। दुनिया भर में आपसी एतबार से भाईचारा और अमन चैन आता है जिससे हर किसी के लिए खुशहाली लाने वाली तरक्क़ी मुमकिन होती है। हमारा लक्ष्य सभी तरह की गैर बराबरी को समाप्त करने का है। सभी के साथ मोहब्बत हो। कोई धर्म जुल्म को पसंद नहीं करता है। इंसान तभी आगे बढ़ सकता है जब सभी के साथ इंसाफ हो। उन्होंने कहा कि हर धर्म धैर्य रखना सिखाता है।

श्री अखिलेश यादव ने समाजवादी सरकार के जनहित के कामों का जिक्र करते हुए बताया कि महिलाओं को पेंशन दी गई। साइकिल ट्रैक बनवाए गए। फ्री साइकिल देने से शिक्षा में छात्राओं को मदद मिली। लैपटॉप बांटे गए। अस्पतालों में फ्री इलाज की व्यवस्था के साथ गंभीर बीमारियों हार्ट, लीवर, किडनी, कैंसर की चिकित्सा की भी व्यवस्था की गई थी। मरीजों को लाने ले जाने के लिए 108 एम्बुलेंस सेवा और महिला सुरक्षा के लिए 1090 सेवा शुरू की गई थी। ईराकी प्रतिनिधिमण्डल ने समाजवादी सरकार में जनहित के तमाम कार्य किए जाने की प्रशंसा की और श्री अखिलेश यादव के स्वास्थ्य और जीवन में सफलता की शुभकामना की। ईराकी प्रतिनिधियों ने श्री अखिलेश यादव को ईराक यात्रा का भी निमंत्रण दिया।

साफ़ और बेबाक

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

Socialist Leader of India. Chief Minister of UP (2012 - 2017)

Akhilesh Yadav @yadavakhil... · 1d

5 बड़ा या 7 ?

विधायक बड़ा या सांसद ?

राज्य बड़ा या केंद्र ?

राज्य सरकार का मंत्री बड़ा या केंद्र सरकार का?

फिर सवाल ये है कि 5 बार के विधायक को भाजपाई राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाते हैं और 7 बार के सांसद को राज्य का अध्यक्ष।

इसका तर्क क्या है... दरअसल इसका कोई तर्क भाजपा के पास नहीं है... इसका कारण सिर्फ़ ये है कि प्रभुत्ववादी भाजपाई ये संदेश देना चाहते हैं कि PDA समाज का व्यक्ति कितना भी क़ाबिल हो पर वो वर्चस्ववादियों के आगे एक सीमा से आगे नहीं बढ़ सकता है।

भाजपा ने पीडीए समाज को नीचा दिखाने को लिए ये नया तरीका अपनाया है। ये अपमान पीडीए समाज अब और नहीं सहेगा... अब अपनी पीडीए सरकार बनाएगा, पीडीए को मान दिलाएगा।

Akhilesh Yadav @yadavakhilesh

Show translation

कोडीन कफ सिरप के मामले की सच्ची जाँच के लिए भी ईमानदार लोगों की एक 'सिरप टास्क फ़ोर्स' मतलब STF बननी चाहिए।

#Syrup_Task_Force

Akhilesh Yadav @yadavakhilesh

Show translation

लोकतंत्र में अगर इस समय मौन रही आवाम
निश्चित है हम एक दिन भोगेंगे परिणाम

Akhilesh Yadav @yadavakhil... · 3d

बैसाखी सरकार में बेबस रुपया।

भाजपा जाए तो रुपये का मोल वापस आए!

मुंह के बल गिरा भारत का रुपया, डॉलर के मुकाबले रिकॉर्ड निचले स्तर 91.03 पर पहुंचा; शेयर बाजार पर दिखेगा असर?

Akhilesh Yadav @yadavakhilesh

Show translation

एक फ़ुल दो हॉफ़ हैं, यूँ तो आपस में ख़िलाफ़ हैं
कोडीन के मारे ये सारे, आज डर के मारे साथ हैं

Akhilesh Yadav @yadavakhilesh

Show translation

जब 'ख़ुद' फँस जाओ, तो दूसरे पर इल्ज़ाम लगाओ
ये खेल हुआ पुराना, हुक्मरान कोई नई बात बताओ

Akhilesh Yadav @yadavakhil... · 3d

कन्नौज के पूर्व भाजपाई सांसद का बयान बेहद आपत्तिजनक है, क्या वो जायज़ वोटों को कटवाने की सलाह दे रहे हैं। चुनाव आयोग तत्काल संज्ञान ले।

काले कारनामों का काला चश्मा लगाए, ये महानुभाव बोलते समय भूल गये कि ये जो कह रहे हैं वो उन्हीं के दल के भाजपाई मुख्यमंत्री जी से उल्टी बात है। माननीय मुख्यमंत्री जी के संज्ञान में जैसे ही ये बात आएगी वो इनकी क्लास लगा देंगे... और उनसे बच गये तो दूर बैठे दूरबीन वाले इनको बुला लेंगे क्योंकि दूरबीन का इस्तेमाल करने के डॉयलॉग पर उनका एकाधिकार है।

अब ये बेचारे भागे-भागे फिरेंगे कि किस-किस से बचें... चुनाव आयोग से, लखनऊवालों से या दिल्लीवाले 'द्वितीय' से।

Akhilesh Yadav @yadavakhil... · 5d

बेरोज़गारी की पीड़ा से गुज़र रहे युवाओं के साथ अमानवीय तरीके से मारपीट व बाल पकड़कर अपमानित करने का जो काम उप्र की भाजपा सरकार कर रही है, वो दरअसल भाजपा का सत्ता का अहंकार है, जो अमानुषिक बनकर अपनी ताक़त दिखा रहा है। भाजपा ये न भूले कि पढ़नेवाले युवा लड़ना नहीं चाहते हैं, वो तो बस साफ़-सुथरे तरीक़े से नौकरी की प्रक्रिया का शुद्धीकरण करवाने की माँग कर रहे हैं। हम प्रतियोगी अभ्यर्थियों के साथ नैतिक बल बनकर खड़े हैं। हम उप्र लोक सेवा आयोग की दोषपूर्ण परीक्षा प्रणाली और भ्रष्ट चयन प्रक्रिया पर लग रहे आरोपों के संदर्भ में एक SIR की पुरज़ोर माँग करते हैं।

भाजपा को इस बर्बरतापूर्ण व्यवहार के लिए युवा कभी माफ़ नहीं करेंगे।

भाजपा के एजेंडे में नौकरी है ही नहीं!

भाजपा जाए तो नौकरी आए!

Akhilesh Yadav @yadavakhilesh

Show translation

'ख़ुद' पर से सच्चे मुक़दमे हटवाते हैं
बाकियों पर झूठे मुक़दमे लगवाते हैं

और कुछ नहीं कहना है।

Following

Akhilesh Yadav @yadavakhilesh

Show translation

दिल्ली का प्रदूषण अब लखनऊ तक पहुँच गया है। इसीलिए लखनऊ में आयोजित होनेवाला अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच नहीं हो पा रहा है। दरअसल इसकी वजह कोहरा या फ़ॉग नहीं, स्मॉग है।

हमने जो पार्क लखनऊ की शुद्ध हवा के लिए बनवाए थे, भाजपा सरकार वहाँ भी इवेंटबाजी करवाकर उन्हें बर्बाद करना चाहती है। भाजपाई न इंसान के सगे हैं, न पर्यावरण के।

मुँह ढक लीजिए कि आप लखनऊ में हैं।

Akhilesh Yadav @yadavakhil... · 2d

मुख्यनगरी में मिलावटवाले... लगता है आपसी 'मिलाव-मिलाप' से ही हो रही है ये मिलावट।

बुलडोज़र के तेल-पानी का इंतज़ाम अब क्या विपक्ष करेगा।

कुछ तो है जिसमें हिस्सेदारी है।

Akhilesh Yadav @yadavakhilesh

Show translation

सवाल ये है कि दीया बुझा हो या जले
हमेशा अंधेरा क्यों आता है उसके तले

हर फ़र्क मिटा दे जो,
कोई तो ऐसा दीया जले
जिससे हर अंधेरा कोना हो रोशन,
और हर कोई फूले-फले

Akhilesh Yadav @yadavakhilesh

Show translation

"पारो पिनाकी की कहानी" नामक फ़िल्म प्रेम और व्यवस्था की क्रूरता की कहानी है। ये उस आदमी की कहानी है, जो गंदगी उठाता है, सपने देखता है, लेकिन उन्हें पूरा नहीं कर पाता। फ़िल्म आँसू नहीं, व्यवस्था से जवाब माँगती है। सार्थक मुद्दा उठाकर, अच्छी फ़िल्म बनाने पर पूरी टीम को शुभकामनाएँ!

@Eshitasingh_
@sanjaybishnoi07

Akhilesh Yadav @yadavakhi... · 11h

'इलाहाबादी अमरूद' का स्वाद, मतलब लाजवाब-बेमिसाल!

जिन्हें स्वाद न आए वो नाम बदलकर 'प्रयागराजी अमरूद' समझकर खाएं, उनको सच में मिठास की बहुत ज़रूरत है।

Akhilesh Yadav @yadavakhilesh

Show translation

'रेजांग ला' के वीर सैनिकों के सम्मान के सौभाग्यशाली क्षण।

जय हिंद!

Akhilesh Yadav @yadavakhil... · 2d

प्रतिष्ठित मूर्तिकार श्री राम सुतार जी का निधन, अत्यंत दु:खद!

ईश्वर उनकी आत्मा को शांति दें।

शोक संतप्त परिजनों के प्रति गहरी संवेदनाएं।

भावभीनी श्रद्धांजलि!

पंजीकृत डाक पंजीकरण संख्या GPO/LW/NP-300/2024-2026 कुल पृष्ठ : 60 डिस्पैच तिथि : 15, 16, 17

प्रिय पीडीए प्रहरियों,

उप्र का हर एक 'पीडीए प्रहरी' बधाई का पात्र है, जो एक-एक वोट के लिए दिन-रात एक करके अपना लोकतांत्रिक कर्तव्य निभा रहा है।

हम हर एक 'पीडीए प्रहरी' को 'प्रशस्ति पत्र' देकर उनके ऐतिहासिक योगदान को इतिहास में दर्ज़ कर देंगे और दुनिया को बताएंगे कि जब प्रभुत्ववादी ताक़तें भारत की चुनावी प्रक्रिया को अपहृत करने की कोशिश कर रही थीं तब ऐसे में किस तरह पीडीए प्रहरियों के रूप में हर बूथ पर हमारे बीएलए, सेक्टर लेवल कार्यकर्ताओं, पदाधिकारियों, नेताओं ने अपने फ़र्ज़ को निभाया और लोकतंत्र में वोट डालने के अधिकार को बचाया। इनमें से हर एक व्यक्तिगत रूप से बधाई का सुयोग्य पात्र है। इस कड़ी में हम उन बीएलओ को भी ऐतिहासिक बधाई का पात्र मानते हैं, जिन्होंने अपना सब कुछ दांव पर लगाकर अपना कर्तव्य बेहद ईमानदारी से निभाया है। इस कार्य के दौरान विभिन्न दबावों की वजह से जिन लोगों ने अपनों को गंवाया है उन परिवारों के साथ हम हमेशा पूरी संवेदना के साथ रहे हैं और रहेंगे।

ऐसे में ये भी याद रखना है कि SIR के मैपिंग एप की कमियों की वजह से जो करोड़ों लोग वोट से वंचित होने की कगार पर खड़े हैं, हमें उनके भी हक़ का वोट बनवाना ही होगा। इसकी ओर चुनाव आयोग और न्यायलय तक का ध्यानाकर्षण करवाना होगा और ज़मीन पर उतरकर वंचित वोटरों के बीच जाकर जागरूकता अभियान भी चलाना होगा, संघर्ष भी करना होगा और ज़रूरत पड़ी तो आंदोलन भी करना पड़ेगा क्योंकि 'वोट का अधिकार ही, हमारे हर अधिकार का आधार है'। समझ लीजिए कि पीडीए प्रहरियों के काम का पहला पड़ाव ही अभी पूरा हो रहा है... सफ़र अभी बाक़ी है, संघर्ष अभी बाक़ी है!

पीडीए प्रहरियों ने एक असंभव से लगने वाले काम को जिस अनुशासन, लगन और शांतिपूर्ण तरीक़े से कर दिखाया है, वो उन दलों के लिए प्रेरणा भी बन रहा है जो हमेशा सत्ता का दुरुपयोग करना चाहते हैं। साथ ही पीडीए प्रहरियों का ये शानदार काम, उनके लिए खुली चुनौती भी बन गया है। इस अथक प्रयास ने साबित कर दिया है कि जिस दल के पास अनुशासनबद्ध, कर्तव्यनिष्ठ, समर्पित कार्यकर्ता होते हैं वो इतिहास को नयी दिशा देने की क्षमता रखते हैं। ईमानदारी और सत्यनिष्ठा के साथ संगठन की शक्ति जब जुड़ती है और जब शोषित-वंचित, दमित समाज एक साथ उठ खड़ा होता है तो 'मूक क्रांति' मुखर हो उठती है।

हमारे आह्वान और अपील पर, पीडीए प्रहरियों के सद्प्रयासों से पीड़ा के एकसूत्र में बंधे पीडीए समाज ने अपना वोट बनवाकर चुनाव जीतने की मज़बूत बुनियाद बना ली है, इसी पर 'पीडीए सरकार' की इमारत बुलंद होगी। हर पीड़ित, दुखी और अपमानित अब एकजुट होकर 'अपनी पीडीए सरकार' बनाने के लिए कटिबद्ध भी है और संकल्पबद्ध भी।

हमें पीडीए की एकता का ये सूत्र हमेशा याद रखना है : 'जो पीड़ित, वो पीडीए!'

आइए अब हम सब मिलकर एक ऐसे सुनहरे भविष्य के निर्माण का संकल्प लें जो 'समता-समानता, गरिमा और सौहार्द' से भरा होगा, जो 'सामाजिक न्याय का राज' लाने में सक्षम होगा, जिसमें सबको समर्थ और सशक्त बनने का बराबर मौका होगा, जिसमें वर्चस्व की नहीं सर्वत्र समानता की सकारात्मक भावना होगी, जो किसी का शोषण या अपमान नहीं करेगा बल्कि आपसदारी और भागीदारी से हर कमज़ोर की मदद करेगा और जिओ और जीने दो की सह अस्तित्वकारी भावना के साथ, भाईचारे और स्नेह से भरे समाज के सपने को साकार करेगा।

आइए 'प्रेम, दया और अपनेपन' का पीडीए समाज बनाएं; जिसमें सब ख़ुश रहें, सब मुस्कुराएं!

आपका

अखिलेश

समाजवादी पार्टी
/samajwadiparty
www.samajwadiparty.in
QR कोड स्कैन करें और वाट्स-एप चैनल से जुड़ें
/Akhilesh Yadav
/Samajwadi Party